E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 24 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शुक्रवार 07 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

'कॉकरोच जनता पार्टी' ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का किया ऐलान, अगले छह महीनों में देशभर में संगठन का विस्तार

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपनी पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों के नामों का औपचारिक ऐलान किया। पार्टी ने कहा कि देशभर में संगठन के विस्तार और अपने रोडमैप को लागू करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने इस नेतृत्व टीम को मंजूरी दी है। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 वर्षीय अभिजीत दिपके को संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है। वहीं 30 वर्षीय आशुतोष रांका और 27 वर्षीय सौरव दास को राष्ट्रीय सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय संगठन प्रभारी के रूप में 35 वर्षीय अजिंक्य शिंदे और संगठन सह-प्रभारी के रूप में 26 वर्षीय दीपक बलियान की नियुक्ति की गई है। 34 वर्षीय आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पार्टी ने विभिन्न प्रकोष्ठों के लिए भी जिम्मेदारियां तय की हैं। विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को विधिक मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौर को अनुसंधान एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख और योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। क्षेत्रीय संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी ने चार जोनल प्रभारियों की भी घोषणा की है। उत्तर क्षेत्र की जिम्मेदारी दीपक बलियान, दक्षिण क्षेत्र की विजय रेड्डी मल्लांगी, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र की अंकित भारद्वाज तथा पश्चिम क्षेत्र की योगेश इंगले को सौंपी गई है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अगले छह महीनों के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी देशभर में राज्य समन्वय समितियों के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर की समन्वय इकाइयों का गठन करेगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि आज घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को पार्टी का पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। पार्टी ने कहा कि नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने और विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक ढांचे का विस्तार करने पर प्राथमिकता से कार्य करेगी। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से जिला, विधानसभा और बूथ स्तर तक इकाइयों का गठन किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी आने वाले महीनों में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर अपनी नीतियां सार्वजनिक करेगी। इसके साथ ही युवाओं, महिलाओं, पेशेवरों और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे। पार्टी का दावा है कि उसका उद्देश्य पारदर्शी, जवाबदेह और सहभागी राजनीतिक व्यवस्था को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दिपके ने कहा कि संगठन की पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन पार्टी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने, आम लोगों से संवाद बढ़ाने और पार्टी के उद्देश्यों को देशभर में पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि संगठन से संबंधित सभी आधिकारिक घोषणाएं केवल अधिकृत माध्यमों से ही जारी की जाएंगी। किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्था द्वारा किए गए दावों को आधिकारिक नहीं माना जाएगा। आने वाले समय में संगठनात्मक बैठकों, सदस्यता अभियानों और विभिन्न राज्यों में कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी अपने विस्तार अभियान को आगे बढ़ाएगी। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि संगठन आधुनिक तकनीक, डिजिटल संवाद और स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से देशभर में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगा। इसके लिए ऑनलाइन सदस्यता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और विचार-विमर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि नए कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक कार्यप्रणाली से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर राज्य एवं जिला इकाइयों के गठन की प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया है। पार्टी का कहना है कि प्रत्येक राज्य में स्थानीय परिस्थितियों और जनसरोकारों को ध्यान में रखते हुए संगठन का विस्तार किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि पार्टी जल्द ही अपने संविधान, सदस्यता नियमों और संगठनात्मक दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देकर सार्वजनिक करेगी। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से सुझाव लेकर नीति दस्तावेज तैयार किए जाएंगे, ताकि संगठन की भावी कार्ययोजना व्यापक जनभागीदारी के आधार पर तैयार हो सके।

जेन-जी देशविरोधी नहीं, उनकी शिकायतें वास्तविक, छात्र आंदोलनों पर बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हालिया छात्र आंदोलनों और जेन जी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि जेन जी विरोध-प्रदर्शन कर रही है तो उन्हें 'देशविरोधी' नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देश की अपनी नई पीढ़ी है और उनके मुद्दों को संवाद के जरिए समझकर समाधान निकालने की जरूरत है। एक छात्र संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा, अगर जेन जी प्रदर्शन कर रही है तो इसका मतलब यह नहीं कि वे एंटी-नेशनल हैं। वे हमारे अपने लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। मेरा मानना है कि जेन जी और जेन अल्फा मौजूदा पीढ़ी की तुलना में अधिक ईमानदार हैं। उनके साथ देशभक्ति और सेवा की ईमानदार अपील प्रभावी होती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन भी सहमति बनाने का एक माध्यम है। विभिन्न विचारों के बीच संवाद से ही व्यापक सहमति बनती है। यदि किसी कारण से लोगों की बात नहीं सुनी जाती, तब आंदोलन का रास्ता अपनाया जा सकता है, लेकिन उसका उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। भागवत ने कहा कि हाल की घटनाओं में छात्रों की शिकायतें वास्तविक हैं और भारत की शिक्षा व्यवस्था में अभी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए इन मुद्दों पर गंभीर संवाद होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम उनकी उम्र के थे, तब बड़ों की हर बात बिना सवाल किए मान लेते थे।

भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए - एचडी कुमारस्वामी

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कहा कि भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए।

ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेजी से बदलती दुनिया में किसी देश की ताकत सिर्फ एनर्जी रिसोर्स तक पहुंच से तय नहीं होती, बल्कि भविष्य को चलाने वाली टेक्नोलॉजी के लिए मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन और मजबूत सप्लाई चेन बनाने की उसकी क्षमता से तय होती है।

यहां 7वें सीआईआई इंटरनेशनल एनर्जी कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन के दौरान 'एनर्जी सिक्योरिटी और सप्लाई चेन' पर आयोजित स्पेशल प्लेनरी सेशन में मुख्य भाषण देते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी के लिए भारत को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित करने की रणनीति बताई।

राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र से पहले दिल्ली में अमित शाह से मिले सीएम भजनलाल

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र का 20 अगस्त से आगाज होगा। सत्र की तैयारियों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने गुरुवार को केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली दौरा अहम है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीर शेयर करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। वहीं, विधानसभा सत्र को लेकर राजस्थान सरकार में मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा, 'संविधान और विधायी प्रक्रियाओं के अनुसार, विधानसभा का सत्र नियमित अंतराल पर बुलाया जाना चाहिए। इन सत्रों के दौरान राजस्थान के विकास और जन-कल्याण से जुड़े मामलों पर चर्चा होती है, सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी जाती है और जनता के हित में बिल पेश करके उन्हें पारित किया जाता है।' उन्होंने कहा कि मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू करने का प्रस्ताव है। इस मानसून सत्र में राजस्थान की जनता के हित में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अच्छे कामों को बढ़ाया जाएगा। उधर, मंत्री जोराराम कुमावत ने सरकार के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पिछले कई सालों से सराहनीय काम कर रही है। सरकार समाज के सबसे आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है जिनसे सबसे वंचित वर्गों को सीधा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि किसानों को मजबूत बनाने, महिलाओं को सशक्त करने, युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कई पहल शुरू की गई हैं कि गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं हर पात्र लाभार्थी तक पहुंचें। सरकार ने 'राइजिंग राजस्थान' पहल भी शुरू की है, जो राज्य के विकास में योगदान दे रही है और साथ ही निजी क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है। विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को देखते हुए विभिन्न विभागों ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सरकार की ओर से विभागवार उपलब्धियों, नई योजनाओं और लंबित परियोजनाओं से संबंधित जानकारी संकलित की जा रही है, ताकि सदन में उठने वाले प्रश्नों और चर्चाओं का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जा सके। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मानसून सत्र के दौरान विपक्ष बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, किसानों के मुद्दे, जल संकट, महंगाई और अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर सकता है।

वहीं सरकार अपने विकास कार्यों, निवेश, आधारभूत ढांचे के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को प्रमुखता से सदन के समक्ष रखेगी।

नाराज कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष होरट्टी 14 अगस्त को पद से इस्तीफा देंगे

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि वे 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने नए मंत्रियों की सूची जारी करते हुए वरिष्ठ नेता सलीम अहमद का नाम इस पद के लिए घोषित किया है। इस कदम से विवाद खड़ा हो गया है।

भाजपा ने आलोचना करते हुए कहा है कि अध्यक्ष पद पर रहते हुए उम्मीदवार का नाम घोषित करना परंपरा के विरुद्ध है। पार्टी का कहना है कि अध्यक्ष पद संवैधानिक रूप से पवित्र है और इसे पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने गुरुवार को कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और विचार-विमर्श किया। होरट्टी ने बताया कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें सूचित किया है कि यह निर्णय कांग्रेस हाई कमांड द्वारा लिया गया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों पर हथियारबंद लोगों ने किया हमला, ऑटोमैटिक हथियारों से की फायरिंग

क्वेटा। पाकिस्तानी सेना के वाहनों पर एक बार फिर हथियारबंद लोगों ने हमला बोल दिया। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित चागई जिले के दरबंदीन क्षेत्र के चाहतर इलाके में हमलावरों ने घटना को अंजाम दिया। बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि हमलावरों ने ऑटोमैटिक हथियारों से फायरिंग की। चागई में पाकिस्तानी बलों के वाहनों को निशाना बनाए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच कई बार फायरिंग हुई।

अब तक सरकार की ओर से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसी बीच, खरान जिले में अल बाट और पटकान के बीच मुख्य राजमार्ग पर हथियारबंद लोगों ने नाकाबंदी कर दी। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, उन्होंने कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया और गुजरने वाले वाहनों की तलाशी ली। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि कई घंटों तक ट्रैफिक बंद रहने के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पिछले हफ्ते बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान के कई जिलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और उनके ठिकानों को निशाना बनाकर कई हमले किए थे, जिनमें कई सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबरें आई थीं। लड़ाकों ने चागई जिले के नोकचाह इलाके में एक काफिले पर गोलीबारी करने के बाद खनिज ले जा रहे कई वाहनों को अपने कब्जे में लेकर आग के हवाले कर दिया। यह घटना बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की ओर से घोषित तथाकथित 'आर्थिक नाकेबंदी' के बीच हुई। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घोषणा के बाद समूह ने बलूचिस्तान के कई प्रमुख राजमार्गों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। रिपोर्टों के अनुसार, इस हमले में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के कुछ जवान मारे गए। हालांकि, उनकी सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। उस हमले में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

जयपुर रोपवे प्रोजेक्ट पर एनजीटी सख्त, वन भूमि अतिक्रमण मामले में कार्रवाई के आदेश

जयपुर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जयपुर रोपवे प्रोजेक्ट में जंगल की जमीन पर अवैध कब्जे और व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने राजस्थान के वन विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान सोमवार को ट्रिब्यूनल ने वन विभाग और जॉइंट कमेटी की रिपोर्टों को देखा। रिपोर्ट में कई गंभीर बातें सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक रोपवे का ऊपरी स्टेशन, निचला स्टेशन और रोपवे का कुछ हिस्सा उस जमीन पर बना है जो इस प्रोजेक्ट के लिए कानूनी तौर पर नहीं दी गई थी। यह हिस्सा रिजर्व फॉरेस्ट एरिया के अंदर आता है। वन विभाग के असिस्टेंट कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट की रिपोर्ट में और भी कई उल्लंघन बताए गए।

इसमें बिना इजाजत रेस्तरां चलाना, फिश स्पा और बॉडी मसाज पार्लर खोलना, खाना बनाने के लिए खुली आग का इस्तेमाल, प्लास्टिक कचरा सही तरीके से न फेंकना, अवैध लाइटिंग लगाना और बिना पर्यावरण व सुरक्षा मंजूरी के जिपलाइन साइकिल राइड चलाना शामिल है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मामला एक साल से ज्यादा समय से लंबित है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

रूस के धन जुटाने वाले संसाधनों पर यूक्रेन का हमला, दो तेल रिफाइनरी को बनाया निशाना

ई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन की सेना ने गुरुवार को रूस की तेल से होने वाली कमाई को सीमित करने वाली कार्रवाई को अंजाम दिया। सेना ने रूस के दूरगामी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें दो रिफाइनरियों को निशाना बनाया गया। जेलेंस्की ने बताया कि रूस इसी कमाई को युद्ध में इस्तेमाल कर यूक्रेन पर आक्रामक हमला करता है। उन्होंने रूस से शांति का रास्ता चुनने की अपील की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''हमारे दूरगामी प्रतिबंधों ने एक बार फिर रूस की तेल से होने वाली कमाई को सीमित करने में असर दिखाया। रूस इसी पैसे का इस्तेमाल युद्ध चलाने और यूक्रेनियों की जान लेने के लिए करता है।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन की रक्षा सेनाओं ने मोर्चे से 1,300 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर स्थित दुश्मन के ठिकानों पर हमला किया।

बश्कोर्तोस्तान में स्थित बश्नेफ्ट-नोवोइल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। वहीं, हमारी सीमा से लगभग 700 किलोमीटर दूर यारोस्लाव क्षेत्र में स्थित स्लावनेफ्ट-यानोस रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। जेलेंस्की ने बताया कि काला सागर में रूस की आक्रामक कार्रवाइयों के जवाब में भी हमें सफलता मिली। खास तौर पर, दो सैन्य गश्ती नौकाओं और तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के जहाजों को निशाना बनाया गया। युक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं रक्षा बलों के उन सभी योद्धाओं का धन्यवाद करता हूं जो लगातार हमारी लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। इससे कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।'' रूस को शांति का रास्ता चुनना होगा।

दूसरी ओर रूस भी इन हमलों को बराबरी से जवाब दे रहा है। रूस बैलिस्टिक मिसाइलों ओर ड्रोन से यूक्रेन पर लगातार हमलावर बना हुआ है। रूस के इन हमलों से बचाव के लिए जेलेंस्की लगातार सहयोगी देशों से मदद मांग रहे हैं। इस संबंध में जेलेंस्की ने बुधवार को अलेक्जेंडर स्टब से चर्चा की। जेलेंस्की ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''हमने एलेक्स स्टब के साथ इस बात पर चर्चा की कि फिनलैंड रूस के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बचाव में हमारी कैसे मदद कर सकता है। हमें अच्छी तरह पता है कि दुनिया में एयर डिफेंस सिस्टम के लिए कितनी मिसाइलें उपलब्ध हैं। एलेक्स, आपकी तुरंत प्रतिक्रिया और हमारी मदद करने की इच्छा के लिए धन्यवाद।''

संपादकीय

बजट घोषणाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से धरातल पर उतारना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - कृषि आयुक्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश कृषि विभाग की विभिन्न बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित समयावधि में लक्ष्यों की प्राप्ति को लेकर कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में बजट वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं की समीक्षा एवं प्रगति बैठक आयोजित हुई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित बजट घोषणाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए कृषि आयुक्त ने अधिकारियों से प्रत्येक घोषणा के तहत अब तक की गई कार्यवाही, स्वीकृतियां, वित्तीय एवं भौतिक प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी तरीके से सुनिश्चित किया जाए ताकि इनका वास्तविक लाभ प्रदेश के किसानों तक पहुंच सके। कृषि आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन, फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इन घोषणाओं को धरातल पर उतारना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक बजट घोषणा के लिए स्पष्ट कार्ययोजना, समय-सीमा एवं जिम्मेदारी तय करते हुए नियमित रूप से प्रगति की मॉनिटरिंग की जाए। जिन कार्यों में किसी स्तर पर तकनीकी, प्रशासनिक अथवा वित्तीय अड़चन आ रही है, उनका तत्काल समाधान करते हुए प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। गोयल ने कहा कि विभागीय योजनाओं एवं बजट घोषणाओं का उद्देश्य केवल वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य हासिल करना नहीं, बल्कि किसानों को योजनाओं का समय पर और अधिकतम लाभ उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं किसानों को जानकारी उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि पात्र किसान योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहें। बैठक में बजट घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की वर्तमान स्थिति, क्रियान्वयन की प्रगति, लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों तथा आगामी अवधि में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों ने अपने-अपने विभागीय कार्यक्षेत्र से संबंधित प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की।कृषि आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बजट घोषणाओं की शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित करें तथा प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उच्च स्तर पर प्रस्तुत करें।बैठक में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी उन्नयन और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए तथा जिला स्तर पर भी मॉनिटरिंग व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि पर्यवेक्षकों और विभागीय अधिकारियों के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत बीज, जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा कृषि यंत्रीकरण की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही योजनाओं के आवेदन और स्वीकृति की प्रक्रिया को भी सरल और पारदर्शी बनाया जाए।

सीडब्ल्यूएसएन संदर्भ व्यक्तियों का जॉब चार्ट जारी, कार्यालयों में नहीं होगा पदस्थापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समावेशी शिक्षा में कार्यरत संदर्भ व्यक्ति के लिए नया जॉब चार्ट जारी किया है।

इस संबंध में परिषद ने प्रदेश के सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयकों को आदेश जारी किए हैं। यह संदर्भ व्यक्ति अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय में समावेशी शिक्षा संबंधी कार्यों का संपादन करेगा तथा ब्लॉक स्तर के संदर्भ कक्षों में कार्यरत संदर्भ व्यक्तियों को तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। वे वहीं रहकर समावेशी शिक्षा से जुड़े शैक्षणिक एवं अन्य कार्यों का संचालन करेंगे।

180 लीटर अवैध स्प्रिट से भरा ड्रम जब्त, वाहन चालक फरार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। महाजन पुलिस ने जैतपुर रोही क्षेत्र में अवैध स्प्रिट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 180 लीटर स्प्रिट से भरा एक ड्रम जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। थानाधिकारी भजनलाल लावा ने बताया कि पुलिस को एक संदिग्ध वाहन के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन की निगरानी शुरू की और पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देख चालक ने वाहन से 180 लीटर स्प्रिट से भरा ड्रम सड़क पर फेंक दिया। पुलिस के पहुंचने से पहले चालक अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से स्प्रिट से भरा ड्रम जब्त कर लिया। यह कार्रवाई एसआई अनोपसिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाधिकारी भजनलाल लावा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि जब्त की गई स्प्रिट का उपयोग अवैध शराब के निर्माण में किया जाना था। इस संबंध में स्प्रिट के स्रोत, परिवहन मार्ग और इससे जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस स्थान से स्प्रिट लेकर आया था और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

सरदारशहर बस विवाद तीसरे दिन भी बरकरार, 382 निजी बसों का संचालन ठप

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। कृष्णा कच्चा बस स्टैंड पर निजी बस यूनियन और रेहड़ी संचालकों के बीच चल रहा विवाद गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। हड़ताल के चलते 382 निजी बसों का संचालन पूरी तरह बंद रहा, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बस स्टैंड पर दिनभर सन्नाटा पसरा रहा और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। हड़ताल के कारण चूरू, हनुमानगढ़, नोहर, भादरा, तारानगर, साहवा, रतनगढ़, फतेहपुर, जयपुर, बीकानेर, लूणकरणसर तथा सुजानगढ़ सहित कई रूटों पर निजी बसों का संचालन ठप रहा। यात्रियों को निजी वाहनों और अन्य वैकल्पिक साधनों से सफर करना पड़ा। निजी बस यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि बस स्टैंड परिसर में संचालित सब्जी रेहड़ियों को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक बसों का संचालन शुरू नहीं किया जाएगा। हड़ताल के तीसरे दिन बस संचालकों ने बस स्टैंड परिसर में टेंट लगाकर धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। गुरुवार को टेंपो यूनियन भी बस यूनियन के समर्थन में आंदोलन में शामिल हो गई। यूनियन पदाधिकारियों ने बस संचालकों की मांगों को उचित बताते हुए प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की अपील की। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आंदोलन में भाग लेकर न्याय की मांग करेंगे।

ब्रिक्ससमिट -2026 के आयोजन के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार कोसचिवालय में केंद्रीय आर्थिक मामलात विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनॉमिक अफेयर्स) तथाराज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित हुई।

बैठक में 12 एवं 13 अगस्त को जयपुर में आयोजित होने वाली ब्रिक्स देशों के वित्तमंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के सफल आयोजन के लिए सुरक्षा, प्रोटोकॉल, यातायात सहित सभी आवश्यक तैयारियों कीसमीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से सभीव्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए किआयोजन की व्यवस्थाओं में राज्य एवं केंद्र सरकार के संबंधित विभागों के बीच समन्वयसुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग नियमित समीक्षा करते हुए सौंपे गए कार्यों को समयबद्धरूप से पूरा करें।

बीकानेर में महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत पुलिस जागरूकता वाहन रैली रवाना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदेशभर में संचालित एक माह के 'महिला सुरक्षा संकल्प अभियान' के तहत बीकानेर में बुधवार को जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के प्रभावी संचालन एवं सुपरविजन की जिम्मेदारी महिला आईपीएस अधिकारियों को सौंपी गई है।इसी क्रम में महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज कार्यालय से जन जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली को महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक पुलिस श्वेता धनकड़ तथा पुलिस अधीक्षक बीकानेर मृदुल कच्छावा ने रवाना किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना, कानूनों की जानकारी देना तथा समाज में महिला सुरक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, हेल्पलाइन नंबरों तथा महिला अधिकारों संबंधी जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा। उल्लेखनीय है कि इस अभियान में बीकानेर जिले की प्रभारी अधिकारी श्वेता धनकड़, उप महानिरीक्षक पुलिस, राज जयपुर हैं। अभियान के दौरान विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अभियान के तहत पुलिस टीमों द्वारा छात्राओं, महिलाओं और आमजन को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों, आत्मरक्षा के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और डिजिटल सुरक्षा के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान महिलाओं को 112 आपातकालीन सेवा, महिला हेल्पलाइन 1090/181 (जहां लागू), साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा अन्य पुलिस सहायता सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने को बीकानेर में विशेष अभियान शुरू।

रामसर में स्थापित होगी देश की सबसे बड़ी व अत्याधुनिक 'गोट सीमन लैब'

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में पशुपालन क्षेत्र को बढ़ावा देने और उन्नत नस्ल के छोटे जुगाली करने वाले पशुओं (विशेषकर बकरियों) की उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राजस्थान सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय प्रवर्तित योजना-नेशनल लाइव स्टॉक मिशन (एनएलएम) के तहत अजमेर के रामसर स्थित राजकीय पशु प्रजनन फार्म में संभवत देश की सबसे बड़ी एवं अत्याधुनिक 'गोट सीमन उत्पादन प्रयोगशाला' की स्थापना की जाएगी। यह भारत की सबसे बड़ी लैब होगी, जिसमें सालाना दो लाख डोजेज तैयार की जाएंगी। इस आधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इस पर 875 लाख रुपए खर्च होंगे, जिसमें 60 फीसदी हिस्सेदारी केंद्र व 40 फीसदी हिस्सेदारी राजस्थान सरकार की है। बकरियों की संख्या के आधार पर राजस्थान देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य भी है।

बयाना के विकास कार्यों की विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए समयबद्ध समाधान के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। बयाना-रूपवास विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने गुरुवार को नगर पालिका सभागार में नगर पालिका एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर क्षेत्र की जनसमस्याओं और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शहर को आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जलभराव, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, सीवरेज सहित अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर भी बल दिया। समीक्षा बैठक में राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (RUIDP) के पंचम चरण के तहत प्रस्तावित विकास कार्यों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत शहर में जल प्रबंधन, ठोस कचरा प्रबंधन, शहरी यातायात सुधार, ड्रेनेज व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इस अवसर पर विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने कहा कि बयाना शहर का समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम दीपक मित्तल, तहसीलदार नीतेश गोयल, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी वैशाली धाकड़ सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. मेघना शर्मा को जयपुर में मिलेगा राष्ट्रीय मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर की कवयित्री कथाकार डॉ. मेघना शर्मा को जयपुर की अभाकाम संस्था द्वारा पांचवा राष्ट्रीय मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान 2026 देने की घोषणा की गई है। संस्था अध्यक्ष अजीत सक्सेना ने बताया कि डॉ. मेघना को कविता लेखन की श्रेणी में कृषि विज्ञान केंद्र, दुर्गापुरा जयपुर स्थित सभागार में 9 अगस्त को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। महामंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना के अनुसार डॉ. मेघना को उनकी कविता प्रारब्ध की दीमक हेतु चयन समिति द्वारा पुरस्कृत किए जाने का निर्णय लिया गया जिसके तहत मंच से नगद राशि, स्मृति चिन्ह, शॉल, दुपट्टा व प्रमाण पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी हिंदी साहित्य में अपने साहित्यिक अवदान हेतु डॉ. मेघना जोधपुर, चंडीगढ़, नई दिल्ली, जयपुर, बीकानेर, सूरतगढ़, रतनगढ़, फ़ैज़ाबाद की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हो चुकी हैं। डॉ. मेघना शर्मा की इस उपलब्धि पर बीकानेर के साहित्यकारों, शिक्षाविदों और साहित्य प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

साहित्य जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उनकी रचनाओं में संवेदनशीलता, सामाजिक सरोकार और मानवीय मूल्यों का प्रभावी चित्रण देखने को मिलता है, जिसके कारण उन्हें लगातार राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। डॉ. मेघना शर्मा ने सम्मान की घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अपने पाठकों, गुरुजनों और परिवार के सहयोग का परिणाम बताया।

शहीद स्मारक पर ग्रेड थर्ड टीचर्स का हल्लाबोल, बच्चों संग डटे शिक्षक, शिक्षा मंत्री बोले— ट्रांसफर फिलहाल संभव नहीं

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में ग्रेड थर्ड (तृतीय श्रेणी) शिक्षकों के तबादलों (ट्रांसफर) को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जयपुर के शहीद स्मारक पर प्रदेश भर के शिक्षक पिछले दो दिनों से बेमियादी धरने पर बैठे हैं। इस आंदोलन में अब महिला शिक्षकों के साथ उनके छोटे बच्चे भी हाथों में पोस्टर लेकर अपने माता-पिता के गृह जिलों में ट्रांसफर की मांग कर रहे हैं। ग्रेड थर्ड टीचर्स संघर्ष समिति के संयोजक सुनील महला ने प्रशासन और पुलिस पर हठधर्मिता और बर्बरता के गंभीर आरोप लगाए हैं। आंदोलन दबाने का आरोप: सुनील महला ने बताया कि बुधवार रात पुलिस प्रशासन ने धरना स्थल से जनरेटर हटवा दिया और माइक सेट जब्त करके ले गई। महिला व बच्चों को परेशानी: पास बने सुलभ कॉम्प्लेक्स पर ताला लगा दिया गया, जिससे धरने में मौजूद 200 से अधिक महिलाओं और मासूम बच्चों को पूरी रात गंभीर मानसिक व शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी। शिक्षकों का कहना है कि वे कई सालों से एक ही दूरदराज के क्षेत्र में पोस्टेड हैं। भेदभाव का आरोप: शिक्षकों ने सरकार से सवाल किया कि जब राज्य में प्रिंसिपल, फर्स्ट ग्रेड और सेकंड ग्रेड शिक्षकों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं, तो केवल ग्रेड थर्ड शिक्षकों के साथ ही टालमटोल क्यों किया जा रहा है? ट्रांसफर पॉलिसी की मांग: शिक्षक तत्काल पारदर्शी ट्रांसफर नीति लागू करने और गृह जिलों में तबादले शुरू करने की मांग पर अड़े हैं। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने साफ किया कि शिक्षकों की तत्काल ट्रांसफर शुरू करने की मांग फिलहाल व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

शिक्षा मंत्री के इस रुख के बाद आंदोलनकारी शिक्षकों का आक्रोश और भड़क गया है। शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मामले में सीधे हस्तक्षेप करने की अपील की है।

संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन पूरे प्रदेश में और उग्र किया जाएगा। धरने पर बैठे शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से तबादला नीति लागू नहीं होने के कारण हजारों शिक्षक अपने परिवारों से दूर कार्य करने को मजबूर हैं।

विशेष रूप से महिला शिक्षकों, दिव्यांग शिक्षकों तथा गंभीर पारिवारिक परिस्थितियों वाले कर्मचारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पारदर्शी और समयबद्ध तबादला नीति लागू होने से इन समस्याओं का समाधान हो सकेगा। संघर्ष समिति ने बताया कि यदि सरकार जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को राज्यव्यापी स्वरूप दिया जाएगा।

राजस्थान/ प्रादेशिक

राजस्थान में घरेलू पर्यटन को मिलेगा नया आयाम, जयपुर में 6वें राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर।(विनोद धायल) राजस्थान में घरेलू पर्यटन को नई दिशा देने के उद्देश्य से गुरुवार को जयपुर स्थित आईटीसी राजपूताना होटल में 6वें राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (RDTM) एवं प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लेकर राज्य में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मंथन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पर्यटन विभाग की सचिव शुचि त्यागी (आईएएस) रहीं, जबकि पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार (आईएएस) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। दोनों अधिकारियों ने राजस्थान में घरेलू पर्यटन की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। इस अवसर पर होटल, ट्रैवल, टूर ऑपरेटर, रिसॉर्ट, हेरिटेज प्रॉपर्टी और पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारक एक मंच पर आए। कार्यक्रम में सहयोग, नेटवर्किंग और पर्यटन विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम के समापन पर फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (FHTR) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पचार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयास से राजस्थान का पर्यटन उद्योग नई बुलंदियों को छुएगा। आयोजकों के अनुसार, आगामी जयपुर ट्रैवल मार्ट में 300 से अधिक पर्यटन हितधारकों के शामिल होने की संभावना है, जबकि मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर में 125 से अधिक पर्यटन प्रतिनिधि भाग लेंगे। इन आयोजनों के माध्यम से राजस्थान के पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिलेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (FHTR) एवं सभी सहयोगी संस्थाओं और भागीदारों को बधाई दी गई। आयोजन को राजस्थान में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, लोककला, हस्तशिल्प, वन्यजीव पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन के कारण देश-विदेश के पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान में ट्रैवल मार्ट की तैयारी।

कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स CMA जून 2026 परीक्षा परिणाम घोषित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जून 2026 में आयोजित CMA इंटरमीडिएट एवं फाइनल परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। परिणामों में जयपुर चैप्टर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जयपुर चैप्टर के चेयरमैन CMA दीप्तांशु पारीक ने बताया कि जयपुर केंद्र से फाइनल स्तर पर 12 विद्यार्थियों तथा इंटरमीडिएट स्तर पर 3 विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया रैंक (AIR) प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, जयपुर से 184 विद्यार्थियों ने CMA Final Complete Pass तथा 158 विद्यार्थियों ने CMA Intermediate Complete Pass किया है। जयपुर चैप्टर से CMA Final में 26.12% तथा CMA Intermediate में 49.62% विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। जयपुर चैप्टर द्वारा झालाना डूंगरी स्थित चैप्टर परिसर में रैंक होल्डर्स के सम्मान में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी रैंक होल्डर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

101 शिवभक्तों ने सुल्तानगंज से पदयात्रा कर बाबा बैद्यनाथ धाम में चढ़ाया गंगाजल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। (विनोद धायल)आस्था, श्रद्धा और अनुशासन का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ओम शिव कावड़ सेवा समिति, सीकर के 101 शिवभक्तों ने बिहार के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी मां गंगा का पवित्र जल कांवड़ में लेकर कठिन एवं लंबी पदयात्रा पूरी की तथा झारखंड स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जिला परिषद सदस्य एवं समिति सदस्य रामचंद्र बगड़िया ने बताया कि यात्रा में शामिल सभी शिवभक्तों ने पूरे मार्ग में अनुशासन, सेवा और भक्ति का परिचय दिया। सुल्तानगंज से आरंभ हुई यह पावन यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभव रही, जहां "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष के बीच भक्तों ने बाबा बैद्यनाथ के दरबार में गंगाजल अर्पित कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा जनकल्याण की कामना की।

फसल बीमा, मुआवजा और कृषि समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। भारतीय किसान संघ, भीलवाड़ा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांत विधि प्रमुख भागूलाल गुर्जर के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों की विभिन्न लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि पिछले वर्ष खरीफ फसल अतिवृष्टि से पूरे प्रदेश में भारी नुकसान हुआ था। इस संबंध में झालावाड़ जिले में प्रदेशव्यापी आंदोलन के दौरान सरकार एवं प्रशासन के प्रतिनिधियों ने लिखित समझौते के तहत किसानों को फसल बीमा राशि तथा सरकारी मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इस अवसर पर प्रांत विधि प्रमुख भागूलाल गुर्जर, जिलाध्यक्ष भैरूलाल आचार्य, कार्यालय मंत्री भैरूलाल गुर्जर, जिला मंत्री लादूलाल जाट तथा तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल प्रजापत सहित भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग की हड़ताल खत्म होते ही मुजरास टोल पर बड़ी कार्रवाई, 4 लग्जरी बसों के चालान, एक बस सीज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा मानकों का पालन कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने परिवहन विभाग की हड़ताल समाप्त होते ही गुरुवार देर रात मुजरास टोल पर स्लीपर एवं लग्जरी बसों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल 11 स्लीपर एवं लग्जरी बसों की जांच की गई। निरीक्षण में मोटर वाहन अधिनियम एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर 4 बसों के विरुद्ध 26 हजार रुपये के चालान बनाए गए, जबकि एक बस को सीज किया गया। जिन बसों में सभी आवश्यक दस्तावेज एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, उन्हें यात्रियों सहित उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। यह कार्रवाई जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य के निर्देशन में की गई। परिवहन निरीक्षक सुरेश जांगिड़ एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने बसों की फिटनेस, परमिट, बीमा, अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी हैमर, चालक के दस्तावेज तथा अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की। रश्मि आर्य ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

स्व. उमेशसिंह राजपुरोहित की स्मृति में रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन, 24 अगस्त को प्रथम स्मृति दिवस

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जावला। श्री कल्याण ग्रुप ऑफ एजुकेशन, मेहराणा में बुधवार को संस्थान के संस्थापक एवं पूर्व निदेशक स्वर्गीय उमेशसिंह राजपुरोहित की पुण्य स्मृति में आयोजित होने वाले प्रथम स्मृति दिवस, प्रेरणोत्सव एवं विशाल रक्तदान शिविर के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने स्व. राजपुरोहित के शिक्षा, समाजसेवा एवं युवा प्रेरणा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

आयोजकों ने बताया कि 24 अगस्त 2026 (सोमवार) को श्री कल्याण ग्रुप ऑफ एजुकेशन परिसर में प्रथम स्मृति दिवस एवं प्रेरणोत्सव के साथ विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त उपलब्ध कराकर मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को मजबूती प्रदान करना है।

वक्ताओं ने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है, इसलिए सभी स्वस्थ नागरिकों को इस महाअभियान से जुड़ना चाहिए। पोस्टर विमोचन समारोह में संस्थान की निदेशक भूमिकासिंह राजपुरोहित, हनुमान धड़ा महंत सतीशगिरी महाराज, जावला सरपंच ओमप्रकाश नैन, राजलोता सरपंच रामदेव साहू, रामलाल राजपुरोहित, वीरेंद्र सिंह राजपुरोहित (हरसोलाव), जगदीश कंपाउंडर, हिम्मत तिवाड़ी, हनुमान, कैलाश टेलर, राजू नाथ, योगेश दायमा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के हजारीराम कुमावत, लक्ष्मणराम सैन, गजेंद्र गोदारा, सतीश कुमार, ताराचंद पालड़िया, कृपाशंकर टाक सहित

अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने 24 अगस्त को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। उनके मार्गदर्शन में संस्थान ने शिक्षा, संस्कार और सेवा के मूल्यों को अपनाते हुए अनेक विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से आज भी युवा प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं।

बीकानेर मंडल ने रचा नया कीर्तिमान, एक दिन में 179 ट्रेनों का इंटरचेंज कर बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर मंडल ने रेल परिचालन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 5 अगस्त 2026 को बीकानेर मंडल ने 179 ट्रेनों का सफल इंटरचेंज कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

इनमें 86 ट्रेनों को मंडल से पास आउट किया गया तथा 93 ट्रेनों को मंडल में रिसीव (इन) किया गया। इससे पूर्व बीकानेर मंडल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 01 जनवरी व 2 अगस्त 2026 को 167 ट्रेनों के इंटरचेंज का था। नवीन उपलब्धि ने मंडल के परिचालन कौशल और कार्यकुशलता का नया मानक स्थापित किया है।

यह उपलब्धि परिचालन, इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार, यांत्रिक, वाणिज्य, सुरक्षा सहित सभी विभागों के बेहतर समन्वय, सतत निगरानी तथा रेल कर्मचारियों की प्रतिबद्ध कार्यशैली का परिणाम है।

बीकानेर में सब इंस्पेक्टर,प्लाटून कमांडर भर्ती की पीईटी जारी, 360 में से 297 अभ्यर्थी शामिल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक प्लाटून कमांडर भर्ती-2025 की शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) बीकानेर रेंज मुख्यालय स्थित पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल के पीटी/परेड ग्राउंड में चल रही है। यह परीक्षा 3 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। गुरुवार को आयोजित पीईटी का सुपरविजन महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज ओमप्रकाश (अध्यक्ष), उप महानिरीक्षक पुलिस सीआईडी (सीबी) जयपुर प्रहलाद सिंह कृष्णिया (सदस्य) तथा जिला पुलिस अधीक्षक बीकानेर मृदुल कच्छावा (सदस्य)ने किया। गुरुवार को आयोजित परीक्षा में राजस्थान के विभिन्न जिलों से कुल 360 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 297 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराया जा रहा है।

अभ्यर्थियों की पहचान, दस्तावेजों का सत्यापन तथा सभी परीक्षण आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार किए जा रहे हैं। परीक्षा स्थल पर सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, पेयजल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। पीईटी के दौरान अभ्यर्थियों की दौड़ सहित विभिन्न शारीरिक दक्षता मानकों की जांच की जा रही है। प्रत्येक गतिविधि की निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और नियुक्त पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में की जा रही है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थियों को बुलाया जा रहा है। सभी अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा अपने आवश्यक दस्तावेज साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार परीक्षा में शामिल नहीं किया जाएगा। पुलिस विभाग ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए अभ्यर्थियों से अनुशासन और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

जेल में बन्द आरोपी ने रची साजिश, फर्जी प्रवेश पत्र बनाकर शामिल होने का किया गया प्रयास

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। केंद्रीय कारागार में बंद कैदी ने फर्जी पुलिस भर्ती का फर्जी प्रवेश पत्र बना कर शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने का प्रयास किया।बीकानेर रेंज आइजी ओम प्रकाश ने बताया कि 06 अगस्त को शारीरिक दक्षता परीक्षा के पात्र अभ्यार्थियों के प्रवेश पत्र व दस्तावेजों की जांच के दौरान पुलिस टीम को संदेह होने अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र व दस्तावेजो की गहनता से जांच करवाई गई, जिसमें प्रवेश पत्र के फर्जी होने का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी संदेश पुत्र श्री उदनाथ जाति सिद्ध उम्र 25 साल निवासी मालासर पुलिस थाना जामसर जिला बीकानेर का रहने वाला है जो वर्तमान में केन्द्रीय कारागार, बीकानेर में विशिष्ठ न्यायाधीश, एनडीपीएस प्रकरण बीकानेर अभियोग संख्या 267/2026 पुलिस थाना व्यास कॉलोनी जिला बीकानेर न्यायिक अभिरक्षा में बंद था।

जमानत नहीं मिलने के कारण आरोपी ने जेल से बाहर आने एवं परीक्षा में शामिल होने के उद्देश्य से फर्जी प्रवेश पत्र तैयार करवाने की योजना बनाई। आरोपी पुलिस अभिरक्षा में परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित हुआ।उल्लेखनीय है कि महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज, बीकानेर की अध्यक्षता में पुलिस उप निरीक्षक, प्लाटून कमाण्डर भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा पीईटी रेंज मुख्यालय पर पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल, बीकानेर में स्थित पी.टी./ परेड ग्राउंड में 03 से 14 अगस्त तक आयोजित की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर फर्जी प्रवेश पत्र तैयार करने व सहयोग करने वाले व्यक्तियों एवं पूरी साजिश में शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में भी पूछताछ की है।

आइजी ओम प्रकाश ने बताया कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने, कूटरचना करने अथवा किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर परीक्षा में शामिल होने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

SDM थप्पड़कांड में नरेश मीणा को फिर जेल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। एसडीएम थप्पड़कांड केस में टोंक एससी/एसटी कोर्ट ने नरेश मीणा को फिर जेल भेज दिया। नरेश मीणा ने गुरुवार दोपहर नगरफोर्ट थाने में सरेंडर किया था। अब उनकी जमानत याचिका पर 10 अगस्त को सुनवाई होगी। दरअसल, एसडीएम को थप्पड़ मारने के केस में नरेश मीणा को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिली थी, लेकिन शर्तों के उल्लघंन के चलते एससी-एसटी कोर्ट ने 13 जुलाई 2026 को उनकी जमानत रद्द कर दी थी। नरेश मीणा ने कहा - मेरे खिलाफ लगाया गया हत्या के प्रयास (आईपीसी धारा 307) का मामला गलत है। थप्पड़ मारने की घटना में सामान्य धाराएं लगनी चाहिए थीं। मैं SDM को पहले से जानता भी नहीं था। घटना का वीडियो भी सार्वजनिक है।

मनोरंजन समाचार

जाकिर खान ने सुनाया जिंदगी का अनसुना किस्सा, बोले- 'घर निर्माण में मैंने खुद की सामग्री तैयार'

कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले जाकिर खान अक्सर जिंदगी के अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते रहते हैं। वह ऐसे किस्से साझा करते हैं, जिनमें संघर्ष, मेहनत और परिवार से जुड़ी भावनाएं दिखाई देती हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता गोपाल दत्त के पॉडकास्ट 'पहला पहला' में अपनी जिंदगी के शुरुआती दौर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा बताया। उन्होंने बताया कि उन्हें निर्माण कार्य का भी अनुभव है और वह इसमें इस्तेमाल होने वाली चीजों को मिलाना भी जानते हैं। पॉडकास्ट में जाकिर खान ने अपने बचपन, परिवार, संगीत से जुड़े माहौल और संघर्ष के दिनों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने घर के निर्माण से जुड़ी बातों का जिक्र करते हुए बताया कि जिस समय घर बनाया जा रहा था, उस दौरान वह खुद भी उसी जगह रह रहे थे और निर्माण कार्य में हाथ बंटाते थे। जाकिर ने कहा, "मैं आपको अपने घर के बारे में एक दिलचस्प बात बताता हूं। घर जब बन रहा था, तब मैं वहीं रह रहा था। उसमें हमारी मेहनत लगी हुई थी। हमें चार मजदूरों की जरूरत थी, लेकिन हमने केवल तीन मजदूर रखे। चौथा इंसान मैं खुद था। मैंने निर्माण सामग्री बनाई है।" बातचीत के दौरान जाकिर खान ने अपने संगीत से जुड़े बचपन की यादों को भी साझा किया। जाकिर मशहूर सारंगी कलाकार उस्ताद मोइनुद्दीन खान के पोते हैं। उनका बचपन ऐसे माहौल में बीता, जहां हर तरफ संगीत सुनाई देती थी।

तब्बू को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का निर्देश देगा कोर्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम रुख अपनाया है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि वह अभिनेत्री के नाम से जुड़े आपत्तिजनक और अश्लील ऑनलाइन कंटेंट को हटाने के लिए अंतरिम आदेश जारी करेगी। अदालत ने माना कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी सार्वजनिक व्यक्ति की पहचान का गलत इस्तेमाल गंभीर विषय है और ऐसे मामलों से निपटने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने की जरूरत भी हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 7 दिसंबर को होगी, लेकिन उससे पहले हाईकोर्ट विस्तृत अंतरिम आदेश जारी करेगा। गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस ज्योति सिंह की एकल पीठ के समक्ष तब्बू की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। अभिनेत्री ने अदालत से अपनी पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि इंटरनेट और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके नाम, तस्वीर, पहचान और व्यक्तित्व का बिना अनुमति इस्तेमाल किया जा रहा है। उनकी पहचान का इस्तेमाल कर एआई से तैयार कंटेंट और डिजिटल इम्पर्सोनेशन के जरिए भी उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सुनवाई के दौरान तब्बू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता स्वाति सुकुमार ने अदालत को बताया, ''कोर्ट के पिछले निर्देशों के अनुसार, सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को प्रतिवादी के रूप में सही तरीके से शामिल करने के लिए पक्षकारों की सूची में आवश्यक संशोधन कर दिए गए हैं। इंटरनेट पर कुछ लोग अभिनेत्री के नाम को अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के साथ जोड़कर सर्च कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन ने बताया भोजपुरी फिल्म का किस्सा, बोले-अपने मेकअप आर्टिस्ट के साथ की थीं दो फिल्में

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का आगाज कर दिया है। एक एपिसोड में कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत में अभिनेता ने अपने भोजपुरी सिनेमा में काम करने के अनुभव को साझा किया। शो के होस्ट चैनल ने एपिसोड अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कंटेस्टेंट ने कहा कि बिहार के लोग अमिताभ बच्चन को बहुत मानते और पसंद करते हैं। साथ ही, कंटेस्टेंट ने उनसे रिक्वेस्ट की कि वो और ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम करें। कंटेस्टेंट ने आगे बातचीत में बताया कि उनका बेटा मेगास्टार अमिताभ बच्चन को 'केबीसी अंकल' के नाम से जानता है, जिसे सुनकर अभिनेता जोर से हंस पड़े। उसने आपका नाम ही यही रख दिया है।

मॉडलिंग क्या होती है, ये भी नहीं जानती थीं तनुश्री चक्रवर्ती, फिर बनीं बंगाली सिनेमा की पहचान

फिल्मों की दुनिया में कई सितारों का सफर किसी प्लानिंग के तहत शुरू नहीं होता। कुछ लोग अचानक मिले मौके को अपनी मेहनत से बड़ी पहचान में बदल देते हैं। बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज वह अपनी खूबसूरती, अभिनय और अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि जब उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था, तब उन्हें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। एक मामूली शुरुआत से तनुश्री ने धीरे-धीरे विज्ञापनों, फिल्मों और फिर राजनीति तक का सफर तय किया। तनुश्री चक्रवर्ती का जन्म 6 अगस्त 1984 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से की। इसके बाद उन्होंने कोलकाता यूनिवर्सिटी से जुड़े बसंती देवी कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा, लेकिन शुरुआत में उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग क्या होती है।

तनुश्री ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने मॉडलिंग शुरू की, तब उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग में काम कैसे होता है और इस क्षेत्र की असली दुनिया कैसी है। धीरे-धीरे उन्होंने इस काम को समझा और कई विज्ञापनों में नजर आने लगीं। उनका एक बांग्लादेशी मसाला ब्रांड का विज्ञापन काफी लोकप्रिय हुआ, जिसने उन्हें अलग पहचान दिलाई। यही छोटा सा कदम आगे चलकर उनके फिल्मी करियर की शुरुआत बना। मॉडलिंग के बाद तनुश्री ने बंगाली फिल्मों में कदम रखा। साल 2010 में फिल्म 'बोंधु एसो तुमी' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद साल 2011 में आई फिल्म 'उरो चिट्ठी' ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बंगाली सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया। साल 2012 में आई 'बेडरूम' उनके करियर की अहम फिल्मों में से एक रही। इसके बाद उन्होंने 'ओबिशोप्टो नाइटी', 'विंडो कनेक्शन्स', 'बुनो हांश' और 'खाद' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। उनकी एक्टिंग को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने काफी पसंद किया। उन्होंने सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाएं ही नहीं कीं, बल्कि अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता भी दिखाई। तनुश्री चक्रवर्ती ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी की दुनिया में भी काम किया। वह जी बांग्ला के लोकप्रिय शो 'दीदी नंबर. 1' में नजर आईं और बाद में कई टीवी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। उन्होंने ब्यूटी और लाइफस्टाइल शो 'संपूर्ण' की होस्टिंग भी की। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता में अपने रेस्टोरेंट बिजनेस की शुरुआत भी की। साल 2021 में तनुश्री ने राजनीति में भी कदम रखा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में श्यामपुर सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, वह चुनाव नहीं जीत पाईं। बाद में उन्होंने राजनीति से दूरी बनाते हुए अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देने का फैसला किया। तनुश्री चक्रवर्ती ने कई अवसरों पर कहा है कि उनके करियर का सबसे बड़ा आधार लगातार सीखने की इच्छा और मेहनत रही है।

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं, डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

टेलीविजन अभिनेत्री और 'लॉकअप-2' कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था। आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, "मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा।" दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता। शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था। रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया। शो से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने कहा कि रियलिटी शो के दौरान कही गई बातों को कई बार संदर्भ से हटाकर पेश किया जाता है, जिससे लोगों के बीच गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बयान का उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं था, बल्कि उस समय की अपनी भावनाओं को ईमानदारी से व्यक्त करना था। उनका कहना था कि लंबे समय से अलग रहने की वजह से उनके और गौरव के बीच पहले जैसा भावनात्मक जुड़ाव नहीं रहा और इसी कारण उन्होंने उस स्थिति में अपने "कंफर्ट जोन" की बात कही थी।

आकांक्षा ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके बयान का केवल एक छोटा हिस्सा वायरल किया गया, जबकि पूरी बातचीत में उन्होंने अपने रिश्ते की परिस्थितियों और मानसिक स्थिति के बारे में विस्तार से बात की थी। उन्होंने कहा कि जब किसी इंटरव्यू या शो के कुछ सेकंड के क्लिप को अलग करके दिखाया जाता है, तो लोगों के लिए पूरी बात समझ पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पूरी बातचीत को जरूर देखें। उन्होंने अपने वैवाहिक संबंधों पर भी खुलकर बात करते हुए कहा कि रिश्ते में अलगाव हमेशा किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होता। कई बार समय के साथ दो लोगों की सोच, प्राथमिकताएं और जीवन की दिशा बदल जाती है। उन्होंने कहा कि वह और गौरव दोनों ने अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश की, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनीं कि अलग रहने का फैसला लेना पड़ा। आकांक्षा के अनुसार, दोनों ने इस निर्णय को परिपक्वता के साथ स्वीकार किया है और एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखा है। अपनी बायसेक्सुअल पहचान को लेकर भी आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने शो में कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं की। उनका मानना है कि अपनी पहचान को स्वीकार करना किसी भी व्यक्ति के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वह अब इसे लेकर सहज हैं। उन्होंने कहा कि गौरव को भी इस बारे में पहले से जानकारी थी और उन्होंने कभी इस विषय पर उन्हें जज नहीं किया।

आकांक्षा ने कहा कि किसी व्यक्ति की यौन पहचान को सनसनीखेज विषय बनाने के बजाय उसे सामान्य रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि रियलिटी शो में मानसिक दबाव बहुत अधिक होता है। प्रतियोगियों को लगातार कैमरों के बीच रहना पड़ता है और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में कई बार व्यक्ति अपनी भावनाएं बिना किसी बनावट के व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि उनके कुछ बयान उसी भावनात्मक स्थिति में दिए गए थे और उन्हें उस संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए। गौरव खन्ना को लेकर उन्होंने कहा कि उनके बीच भले ही वैवाहिक रिश्ता समाप्त होने की ओर बढ़ रहा हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनके मन में कोई कटुता है। उन्होंने कहा कि दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं और निजी मामलों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया यूजर्स से भी अपील की कि उनके व्यक्तिगत जीवन को लेकर अनावश्यक अटकलें न लगाई जाएं। बयान पर आकांक्षा की सफाई।

सारा खान के जन्मदिन पर पति कृष पाठक ने खास अंदाज में दी बधाई, लिखा-तुम्हारी हंसी कभी भी फीकी न पड़े

टीवी अभिनेत्री सारा खान गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके पति और अभिनेता कृष पाठ ने सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी। कृष पाठक ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों के साथ बिताए गए पल और शादी की तस्वीरें भी शामिल हैं। अपनी इस पोस्ट के जरिए कृष पाठक ने बताया कि कैसे सारा उनके अच्छे और बुरे वक्त में साथ खड़ी रहीं और उनकी अहमियत को समझा। कृष ने अपनी पोस्ट के साथ सारा को बधाई देते हुए लिखा, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, सारा खान। तुम्हारे जन्मदिन पर मैं बस यही दुआ करता हूं कि तुम्हें वही प्यार, अपनापन और खुशी मिले, जो तुम मेरी जिंदगी में लेकर आई हो।

मैं वादा करता हूं कि तुम्हारे हर जन्मदिन पर मैं साथ रहूंगा, जिंदगी के हर मोड़ पर तुम्हे ही चुनूंगा। मैं ऊपर वाले से दुआ करता हूं कि तुम्हारी जिंदगी में सुख-शांति हमेशा बनी रहे। तुम्हारी हंसी कभी भी फीकी न पड़े।" अभिनेता ने लिखा, "तुमने मुझे टूटते हुए और मजबूत के साथ खड़े होते हुए देखा है।

साथ ही तुमने कभी मुझे ये नहीं महसूस करवाया कि मैं काफी नहीं हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि पूरी जिंदगी मैं तुम्हें वो सब दूं, जो तुम हर रोज मेरे लिए करते हो। कभी-कभी मैं तुम्हें देखता हूं तो सोचता हूं कि तुम्हारे जैसा इंसान पाने के लिए आखिरीकार मैंने ऐसा भी क्या किया है।

80 की उम्र में बिल्कुल अकेली हैं उषा नाडकर्णी, पति से नहीं कोई नाता, बेटा नहीं मानता मां, एक्ट्रेस ने सुनाई 40 साल के अकेलेपन की आपबीती

लोकप्रिय टीवी धारावाहिक 'पवित्र रिश्ता' में अपने दमदार अभिनय से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री उषा नाडकर्णी लगभग सात दशकों से अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। हिंदी और मराठी सिनेमा से लेकर छोटे पर्दे तक, उन्होंने हर तरह की भूमिकाओं को पर्दे पर जीवंत किया है। उनका करियर हमेशा उनकी अपनी शर्तों पर बना, हालांकि उन्होंने कई बार पैसों की खातिर भी काम किया, तब भी जब उन्हें लगता था कि उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा जिसकी वे हकदार हैं। 80 वर्ष की उम्र में भी मुंबई के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर वे अपनी जिंदगी और काम की जिम्मेदारी खुद उठा रही हैं। उषा नाडकर्णी का बचपन बहुत ही दर्दनाक और खौफनाक माहौल में बीता। उनके पिता एयरफोर्स में अधिकारी थे, लेकिन उनका व्यवहार बेहद हिंसक और गुस्से से भरा था। वे अक्सर उषा, उनके भाई-बहनों और उनकी मां को बेरहमी से पीटते थे। एक इंटरव्यू में उषा ने अपने पिता की इस प्रताड़ना का जिक्र करते हुए बताया था कि यदि अखबार थोड़ा सा भी मुड़ा हुआ दिखता या बच्चों की किताबें करीने से नहीं रखी होतीं तो उनके पिता आपा खो बैठते थे और किताबें फाड़ डालते थे। खौफ का आलम यह था कि भाई-बहनों में से किसी एक की पिटाई होते देख बाकी बच्चे डरकर भाग जाते थे।

एक बार उनके पिता उनके भाई को बेदर्दी से पीट रहे थे, जब उषा ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पिता ने उन पर नारियल काटने वाले कोइता से हमला कर दिया। उनके हाथ पर गहरा घाव हुआ, लेकिन अगले ही दिन वे उस चोट के साथ नाटक में अभिनय करने गईं।

उषा नाडकर्णी ने कभी अपने निजी जीवन और पति के बारे में खुलकर बात नहीं की। हाल ही में उन्होंने पहली बार खुलासा किया कि वे अपने पति से बहुत साल पहले ही अलग हो चुकी थीं। हालांकि उनके दिल में पति या उनके परिवार के प्रति कोई कड़वाहट नहीं है, वे आज भी उनके परिवार के लिए लंच-डिनर का आयोजन करती हैं। शादी से उनका एक बेटा है जो अब विदेश में बसा हुआ है। काम में व्यस्त रहने के कारण उषा अपने बेटे को पर्याप्त समय नहीं दे पाती थीं।

सार समाचार

पाकिस्तान-ईरान से एक ही दिन में 2,292 अफगान नागरिक अपने देश लौटे

काबुल। पाकिस्तान और ईरान से एक ही दिन में 460 अफगान परिवारों के कुल 2,292 सदस्य अफगानिस्तान लौटे हैं। यह जानकारी तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को दी। तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज की दैनिक रिपोर्ट साझा करते हुए बताया कि टोरखम सीमा के रास्ते 372 परिवारों के 1,947 सदस्य अफगानिस्तान लौटे। वहीं स्पिन बोल्डक सीमा से 17 परिवारों के 85 लोग और निमरोज प्रांत के सिल्क ब्रिज क्रॉसिंग से 66 परिवारों के 239 सदस्य अपने देश पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लाम काला सीमा के जरिए भी पांच परिवारों के 21 सदस्य अफगानिस्तान लौटे। फितरत ने बताया कि लौटे हुए 398 परिवारों के 2,213 लोगों को अफगानिस्तान के विभिन्न प्रांतों में पुनर्वासित किया गया। इसके अलावा 466 परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जबकि 395 सिम कार्ड भी वितरित किए गए। इस बीच, 20 जून को एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगान शरणार्थियों के गैरकानूनी निष्कासन पर रोक लगाने और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के अनुरूप उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की थी। मानवाधिकार संगठन ने कहा था कि मेजबान देशों में अफगान शरणार्थियों को मनमानी गिरफ्तारियों और परिवारों से अलग किए जाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अफगानिस्तान लौटने के बाद भी वे मानवाधिकार उल्लंघनों और गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने एक्स पर कहा था, "दुनियाभर से लाखों अफगान शरणार्थियों को निकाला जा रहा है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।"

अमेरिका के पास पर्याप्त गोला-बारूद, हम मजबूत: ट्रंप

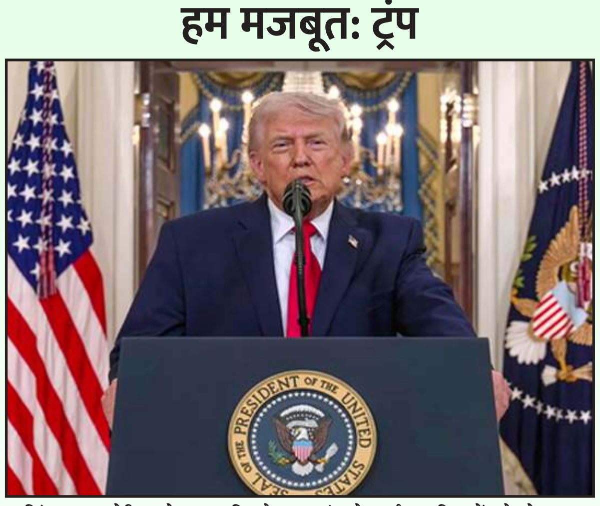

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पर्याप्त हथियारों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कहा है कि अमेरिका के पास बड़ी मात्रा में हथियार मौजूद हैं। ट्रंप ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर अपनी नाराजगी जाहिर की। सोशल मीडिया पोस्ट में ये भी दावा किया कि जरूरत के मुताबिक बड़ी मात्रा में हथियार तैयार किए जा रहे हैं और उनकी सप्लाई भी लगातार की जा रही है। ट्रंप ने लिखा, "अमेरिका के पास कुछ खास तरह के गोला-बारूद बहुत ज्यादा मात्रा में हैं। इसके अलावा, जरूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में इसका निर्माण भी जारी है। अमेरिकी रक्षा कंपनियां हमारे देश के इतिहास में सबसे ज्यादा प्लांट और फैक्ट्रियां लगा रही हैं। इससे अमेरिका की रक्षा उत्पादन क्षमता और मजबूत होगी।"

उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर दागा शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल: दक्षिण कोरिया

सोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि मिसाइल को नॉर्थ में पूर्वी तटीय वॉनसन इलाके से शाम करीब 5 बजे (स्थानीय समयानुसार) लॉन्च किया गया था। मिसाइलों की संख्या को लेकर फौरी तौर पर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जेसीएस ने कहा, "हमारी सेना भविष्य की किसी भी संदिग्ध लॉन्चिंग को लेकर पूरी तरह सतर्क है। हम अमेरिका और जापान के साथ हर जरूरी जानकारी साझा कर रहे हैं।" उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने 25 जून को 1950-53 के कोरियन वॉर के शुरू होने की 76वीं बरसी पर दक्षिण कोरियाई सीमा के पास सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों और उन्नत मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के प्रमुख हथियारों के परीक्षणों का निरीक्षण किया था।

गुरुवार का लॉन्च, साउथ कोरिया की अमेरिका के साथ सालाना संयुक्त सैन्य अभियान, 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' से पहले हुआ। ये एक्सरसाइज इस महीने के आखिर में होने की संभावना है। प्रेसिडेंशियल नेशनल सिक्योरिटी ऑफिस (राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय) ने तुरंत रक्षा मंत्रालय और जेसीएस के अधिकारियों की एक बैठक बुलाई, जिसमें उन्हें सतर्कता बनाए रखने और दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा पर लॉन्च के असर का अंदाजा लगाने का निर्देश दिया गया। कार्यालय ने प्योंगयांग के बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च को उकसावे की कार्रवाई बताया। लगभग हर महीने उत्तर कोरिया इस तरह के परीक्षण करता है।

अमेरिका में मुस्लिम उम्मीदवार की जीत पर खुश हुए ट्रंप, कहा- 'यह तो हमारे लिए अच्छी खबर है'

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मिशिगन राज्य में डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेट प्राइमरी में प्रोग्रेसिव नेता अब्दुल एल-सैयद ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने पार्टी के बड़े नेताओं द्वारा समर्थित उम्मीदवार और प्रतिनिधि हेली स्टीवंस को कड़े मुकाबले में हराकर डेमोक्रेटिक पार्टी का सीनेट उम्मीदवार बनने का अधिकार हासिल किया। इस जीत को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रोग्रेसिव गुट के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी रह चुके अब्दुल एल-सैयद का यह चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना रहा। इस मुकाबले में बाहरी संगठनों ने भी भारी खर्च किया। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकन इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी यानी कि AIPAC ने हेली स्टीवंस के समर्थन में रिकॉर्ड 3.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर या करीब 304 करोड़ रुपये खर्च किए।

इस चुनाव नतीजे पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह नतीजा रिपब्लिकन पार्टी के लिए 'बहुत अच्छी खबर' है। ट्रंप ने अपने पोस्ट में अब्दुल एल-सैयद को 'कम्युनिस्ट लूजर' बताया और उन पर यहूदियों और इजरायल के प्रति नफरत का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा, 'रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी खुशखबरी है। एल-सैयद, जो एक कम्युनिस्ट लूजर है तथा यहूदियों और इजरायल से नफरत करता है, अपनी पार्टी की प्राइमरी जीतने जा रहा है। हमेशा की तरह इस बार भी चुनावी सर्वे गलत साबित हुए।

उनकी प्रतिद्वंद्वी से इतनी कड़ी टक्कर की उम्मीद नहीं थी। अब डेमोक्रेट्स की 'पागलपन से भरी नीतियां' और आगे बढ़ेंगी।' हालांकि शुरुआती चुनावी सर्वे में एल-सैयद को बड़ी बढ़त दिखाई गई थी, लेकिन वास्तविक मुकाबला काफी करीबी रहा। इसके बावजूद उनकी जीत को प्रोग्रेसिव आंदोलन की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक माना जा रहा है। मिशिगन की इस प्राइमरी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, इमिग्रेशन और इजरायल जैसे मुद्दों पर दोनों उम्मीदवारों के बीच तीखी बहस हुई।

बाल-बाल बचे डोनाल्ड ट्रंप! पैसेंजर प्लेन के इतने करीब पहुंचा हेलीकॉप्टर कि सांसे अटक गईं

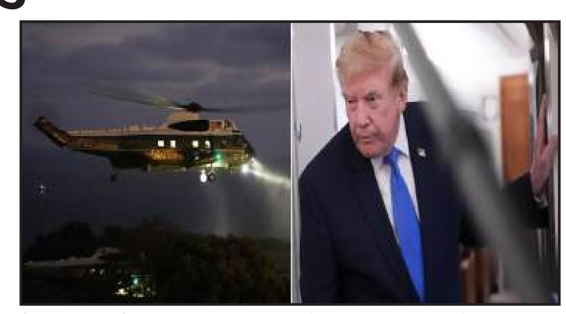

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मिलिट्री हेलिकॉप्टर हेलीकॉप्टर मंगलवार को वॉशिंगटन में एक यात्री विमान के काफी करीब पहुंच गया। यह घटना रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुई। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। अब अमेरिकी एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं कि आखिर यह स्थिति पैदा ही क्यों हुई और चूक किसकी थी। घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे की है। राष्ट्रपति ट्रंप का हेलीकॉप्टर व्हाइट हाउस के पास एलिप्स से ज्वाइंट बेस एंड्रयूज के लिए रवाना हुआ था। इसके करीब एक मिनट बाद Envoy Air का एक पैसेंजर प्लेन E-170 रीगन नेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर निकला। पैसेंजर प्लेन के गुजरने के कुछ ही देर बाद ट्रंप का हेलीकॉप्टर भी एयरपोर्ट की तरफ बढ़ा। दोनों प्लेन एक-दूसरे से तय सुरक्षा दूरी से बहुत कम अंतर पर आ गए थे।

हालांकि, इस घटना में डोनाल्ड ट्रंप या पैसेंजर प्लेन में सवार लोगों को कोई तत्काल खतरा नहीं हुआ। नियमों के मुताबिक, इस इलाके में उड़ रहे विमानों के बीच कम से कम 1.5 मील की सीधी दूरी और 500 फीट की ऊंचाई का अंतर होना चाहिए। अमेरिकी अधिकारियों की शुरुआती जांच में यह पता चला है कि दोनों विमान सीधे एक-दूसरे की तरफ नहीं बढ़ रहे थे, लेकिन उनके बीच तय दूरी से कम अंतर जरूर रह गया था। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि मंगलवार को एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स के साथ बातचीत में गड़बड़ी के बाद, 'मरीन वन' अमेरिकी राजधानी के ऊपर एक पैसेंजर प्लेन के एक मील से भी कम दूरी पर आ गया था।

'मुज्तबा खामेनेई से बात करना बहुत मुश्किल है', सुप्रीम लीडर से मुलाकात के बाद पेजेश्कियान ने क्या बताया

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने बुधवार को कहा कि इस समय सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई से बातचीत करना "बहुत मुश्किल" है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि देश के नेतृत्व के लिए उनकी मौजूदगी हमारे लिए ताकत का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है, जिससे हम इस हमपर हो रहे हमले का जवाब दे पा रहे हैं। पेज़ेश्कियान ने ईरान के सरकारी मीडिया, IRIB को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि भले ही ईरान के सुप्रीम लीडर से सीधे बातचीत करना मुश्किल है, लेकिन ईरान के तनावपूर्ण दौर से गुज़रने के दौरान मुज्तबा खामेनेई की भूमिका लगातार समर्थन देती रही है। ईरान इंटरनेशनल ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट किया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान जब सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई से मिलने गए तो उन्होंने कार की पिछली सीट पर उनसे मुलाकात की। उन्हें मुलाकात के लिए राजधानी तेहरान में एक गुप्त जगह पर ले जाया गया था, जहां उन्हें एक अंधेरी और टिंटेड-विंडो वाली कार में बैठाया गया, जिसमें पिछली सीट पर बैठे उस व्यक्ति के साथ कुछ ही मिनट बिताने दिए गए, जिसे सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई को बताया गया था। पेज़ेश्कियान ने कहा कि उनकी मुलाकात सार्थक रही, बातचीत के दौरान खामेनेई ने दयालुता दिखाई और बहुत ठोस तर्क दिए। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा, कुछ समूह मोजतबा खामेनेई की नकारात्मक छवि पेश करके फूट डालने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में हुई निर्णय लेने की एक प्रक्रिया का ज़िक्र किया, जिसमें खामेनेई ने परिषद की समीक्षा के नतीजे को स्वीकार कर लिया था, जब प्रस्ताव को 13 में से 12 वोट मिले थे। पेज़ेश्कियान ने कहा, "उन्होंने जो कहा, वह पूरी तरह सही था।" उन्होंने आगे कहा कि विशेषज्ञ की राय को स्वीकार करने का इस्तेमाल बाद में कुछ लोगों ने विवाद पैदा करने और अनुचित दावे करने के लिए किया। बता दें कि मुज्तबा खामेनेई ने ईरान के सर्वोच्च नेता का पद तब संभाला, जब उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में मारे गए थे; इस हमले के बाद ही पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुआ था। सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई घायल हैं और वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। उन्होंने लिखित बयान तो जारी किए हैं, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी ने उनकी सेहत और दूसरे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनके रिश्तों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि वे पिछले महीने अपने पिता के अंतिम संस्कार के कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हुए थे। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने कहा कि मौजूदा हालात में देश की सर्वोच्च प्राथमिकता राष्ट्रीय एकता बनाए रखना और बाहरी चुनौतियों का मजबूती से सामना करना है।

शेख हसीना की मीडिया से बातचीत पर भड़का बांग्लादेश, भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर भी बयान दिया

शेख हसीना की डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बांग्लादेश भड़का हुआ है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में अपनी नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि इससे भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध बेहतर करने की कोशिशों पर असर पड़ेगा। हालांकि, भारत पहले ही साफ कर चुका है कि मीडिया से बातचीत का कार्यक्रम एक निजी चैनल ने आयोजित कराया। इसमें भारत सरकार का कोई योगदान नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मीडिया के साथ वर्चुअल बातचीत पर नाराजगी जताते हुए एक्स पर लिखा, "बांग्लादेश इस बात से नाराज है कि नरसंहार की दोषी और फरार शेख हसीना को आज शाम नई दिल्ली में मीडिया से लाइव बातचीत करने की इजाजत दी गई, जहां उन्होंने और उनके साथियों ने बांग्लादेश और वहां के लोगों के खिलाफ जहरीली बातें कहीं। ढाका को इस बात का गहरा अफसोस है कि भारत सरकार को पहले ही यह बता दिया गया था कि इस कार्यक्रम से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिशों पर क्या असर पड़ सकता है, फिर भी इस सार्वजनिक कार्यक्रम को आयोजित करने की इजाजत दी गई।" शेख हसीना पांच अगस्त, 2024 को ढाका छोड़कर भारत आई थीं। इसके बाद से वह यहीं रह रही हैं। उन्होंने वर्चुअल संबोधन में कहा कि वह बांग्लादेश जरूर जाएंगी। उन्हें मौत या जेल जाने का डर नहीं है। हसीना ने कहा, ''मुझे पता है, वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मेरी जान ले सकते हैं। मैं अपने लोगों के साथ रहने के लिए घर वापस जाऊंगी।'' अवामी लीग की नेता हसीना ने भारत की सराहना करते हुए कहा कि वह हमेशा बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा से बांग्लादेश का घनिष्ठ मित्र रहा है।'' उन्होंने अपने संबोधन में अपने देश के राजनीतिक माहौल, उनके लोगों के सामने मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कहा, ''मेरी वापसी सत्ता के लिए नहीं है, बल्कि बांग्लादेश को विकास, धर्मनिरपेक्षता और समृद्धि के रास्ते पर वापस लाने के लिए है।''

चीनी खतरे के बीच ताइवान का युद्धाभ्यास, बख्तरबंद वाहन से राष्ट्रपति को ले जाया गया कमांड सेंटर

ताइपे। चीन के साथ ताइवान के रिश्ते सामान्य नहीं है। हाल फिलहाल में खतरा और बढ़ा है। इस सबके बीच ताइवान ने अपने वार्षिक 'हान कुआंग' सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार तड़के एक महत्वपूर्ण युद्धकालीन अभ्यास किया। इस दौरान राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को बख्तरबंद सैन्य वाहन में सुरक्षित रूप से एक गुप्त कमांड सेंटर तक पहुंचाया गया, जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन संचालन और सरकारी कामकाज की समीक्षा की। राष्ट्रपति लाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरों के साथ एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वो कमांड सेंटर पहुंचे और सालाना हान कुआंग ऑपरेशन को बारीकी से देखा। विभिन्न ड्रिल्स का जिक्र करते हुए उन्होंने अंत में कहा हम शांति स्थापित करने के अपने इरादे पर अडिग हैं। इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से कुछ तस्वीरें जारी की गई थीं। जिसमें लाई बुलेटप्रूफ जैकेट और सैन्य हेलमेट पहने नजर आए। यह अभ्यास ऐसे परिदृश्य पर आधारित था, जिसमें युद्ध की स्थिति में शीर्ष नेतृत्व को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर सरकार और सेना की कमान निर्बाध रूप से जारी रखी जाती है। राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य कमांड संरचना, विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की क्षमता का परीक्षण करना है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में सरकार प्रभावी ढंग से काम करती रहे। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष के अभ्यास में नेतृत्व की सुरक्षित आवाजाही और वैकल्पिक कमांड व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है।

हिरोशिमा पर परमाणु हमले की 81वीं बरसी: पीस डिक्लेरेशन में शांति और निरस्त्रीकरण की अपील

टोक्यो। 81 साल पहले दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान के शहर हिरोशिमा में अमेरिका ने परमाणु बम बरसाया था। गुरुवार को बरसी पर उस खौफनाक दौर को याद किया गया। इस अवसर पर वैश्विक तनाव और परमाणु हथियारों के बढ़ते जोखिम के बीच दुनिया से परमाणु निरस्त्रीकरण और शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की गई। हिरोशिमा के पीस मेमोरियल पार्क में आयोजित वार्षिक श्रद्धांजलि समारोह में मेयर काजुमी मात्सुई ने 'पीस डिक्लेरेशन' जारी करते हुए परमाणु हथियारों के विनाशकारी परिणामों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों की क्रूरता को कमतर आंकना और अपने हितों के लिए बल प्रयोग को स्वीकार करना हिंसा और प्रतिशोध के ऐसे दुष्चक्र को जन्म दे सकता है, जो अंततः दुनिया को फिर किसी हिरोशिमा या नागासाकी जैसी त्रासदी की ओर धकेल सकता है। मात्सुई ने कहा कि जैसे-जैसे परमाणु हमले के जीवित बचे लोगों (हिबाकुशा) की संख्या घट रही है, नई पीढ़ी को आगे आकर परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए व्यापक जनसमर्थन तैयार करना होगा। स्थानीय समयानुसार सुबह 8:15 बजे दो मिनट का मौन रखा गया। इसी समय 6 अगस्त 1945 को अमेरिकी बमवर्षक विमान से गिराया गया परमाणु बम हिरोशिमा के ऊपर फटा था। इस हमले में वर्ष 1945 के अंत तक लगभग 1.4 लाख लोगों की मौत हो गई थी। हिरोशिमा पर हमले के तीन दिन बाद अमेरिका ने नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया था, जिससे हजारों लोगों की जान गई और व्यापक तबाही हुई।

ईरान से बातचीत आसान नहीं, अमेरिका के लिए संतुलित रणनीति अपनाना जरूरी : जेडी वेंस

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने को लेकर दुनिया के तमाम देश फिक्रमंद है। इस बीच अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ बातचीत को आसान नहीं माना है। उनके अनुसार, उनके साथ संवाद लंबा और मुश्किल भरा है। वेंस ने इसकी वजह आपसी मतभेद को माना। बुधवार को फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा, "ईरान के कुछ गुट संघर्ष खत्म करना चाहते हैं, जबकि कुछ कट्टरपंथी गुट इसे जारी रखना चाहते हैं। ऐसे में अमेरिका के लिए सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर संतुलित रणनीति अपनाना जरूरी है।" वेंस ने फॉक्स न्यूज को बताया, "ईरानी बहुत मुश्किल लोग हैं। दूसरी बात, उनका सिस्टम टूटा हुआ है।

हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिका और राष्ट्रपति के लिए सबसे अच्छा नतीजा निकालना है।" वेंस ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी आखिरी समझौता जल्दी नहीं होगा, लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका अपने मकसद हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, "रास्ता आसान नहीं है। ये मुश्किल भरा रहेगा लेकिन विश्वास है कि यहां हम अंत में जरूर पहुंचेंगे।

तेल की कीमत गिरेगी और नीचे ही रहेगी। अमेरिका का हमेशा से ये मानना रहा है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा, और हम एक मजबूत स्थिति में होंगे।"

वहीं, गुरुवार को ईरानी सेना ने कहा कि वह किसी भी संभावित खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अमीर अकरामिनिया ने दावा किया कि सेना अपनी ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है।

SPORTS NEWS

Shubman Gill suffers injury scare while training ahead of Test series vs Sri Lanka

India captain Shubman Gill suffered a blow to his right thumb while batting in the nets ahead of the two-match Test series against Sri Lanka, slated to begin on August 15. The 26-year-old was struck by a delivery from one of the pacers during training and Gill was visibly in a lot of pain. He immediately received treatment from the team physio. According to Revsportz, the injury was not serious, as Gill resumed his batting session shortly afterwards. Gill's injury concerns did not end there. During the team's fielding drills, the Punjab cricketer appeared to hurt his right hand while taking part in catching practice. Stationed in the slips, Gill received immediate attention from the team physio, who arrived with an ice pack, according to Times Now. Currently, the extent of the injury remains unclear, while newly appointed fielding coach Subhadeep Ghosh was seen keeping a close watch on the situation. Sonal Dinusha will lead the side.

Viswanathan Anand confirms to run for FIDE deputy president role after backing out initially

Five-time world champion Viswanathan Anand has confirmed that he will contest for the post of FIDE deputy president in the governing body's upcoming elections. Earlier, he had said he would stay away from the race to spend more time with his family. However, he changed his mind and has now confirmed that he will remain involved with the federation's leadership. The elections are scheduled to take place during the Chess Olympiad in Samarkand, where Anand will be part of the panel headed by Kazakhstani entrepreneur Timur Turlov, who is contesting for the presidency of the International Chess Federation. Currently, Anand serves as FIDE's interim president after Arkady Dvorkovich was sanctioned by the European Union. On Thursday, Turlov finally confirmed Anand's particpation. The 55-year-old also explained why he accepted Turlov's offer to continue in a leadership role. "I am proud of what we have achieved as a team, but I also believe there is much more we can accomplish. That is why I have accepted Timur Turlov's invitation to continue serving as FIDE deputy president as part of his team," Anand said.

India vs Pakistan on September 5, check full schedule as women's Asia Cup schedule announced

The Asian Cricket Council has announced the schedule for the upcoming Women's T20 Asia Cup, with the tournament set to begin in Dubai on August 24. Eight teams will compete in the sixth edition of the T20 competition, which will conclude with the final on September 13. The opening match will see Hong Kong China take on Thailand in a Group A contest. One of the most anticipated fixtures of the group stage, the India-Pakistan clash, is scheduled for September 5. All matches of the tournament will be played under lights at the Dubai International Cricket Stadium, with games starting at 6.30 pm local time. Group B action will begin with a meeting between Sri Lanka and the United Arab Emirates on August 29. Apart from them, Bangladesh and Indonesia complete the group.

The tournament format will see all teams in each group play against each other once during the league stage. The two highest-ranked sides from each group will advance to the semi-finals, with the first knockout match featuring A1 against B2 on September 10. The second semi-final, between A2 and B1, will take place on September 11. Apart from the match against Pakistan on September 5, the Harmanpreet Kaur-led side will also take on Thailand on August 30 and Hong Kong on September 3 in the group stage.

Former India cricketer opens up on 'unfair' treatment of Abhimanyu Easwaran ahead of IND vs SL Tests

The Indian team is all set to take on Sri Lanka in a two-game Test series. The two sides will take on each other in the first Test of the series at the Galle International Stadium from August 15th. Ahead of the series, the BCCI (Board of Control for Cricket in India) came forward and announced the India squad for the series. With the injury to Washington Sundar, the Indian team announced all-rounder Saransh Jain as his replacement for the series. Speaking on the same, former India cricketer Aakash Chopra came forward and talked about how, despite being picked, Saransh might not get the chance in the playing XI. Aakash Chopra talked about the treatment of Abhimanyu Easwaran and how he is still yet to get a chance in the Indian team, and how, there being three spinners in the side, Saransh Jain might not get his chance.

"I feel Saransh will not play. Sri Lanka's team is not announced, but there are chances there will be only one left-hander. You already have four spinners, and he is the fourth. I think Saransh will not get a chance. This has happened before as well. It was unfair on Abhimanyu Easwaran also, as he did not get enough chances. That is a bit of a concern and challenge. After domestic performances, we do bring players forward, but many times the doors do not completely open. Sometimes it's just plain unfortunate.

You can be happy that you at least got selected," he said in a video on his Instagram handle.

Speaking of the Indian team, the side will hope to put in a good showing as they take on Sri Lanka in the first Test of the series.

It is worth noting that the Shubman Gill-led side needs to win six of their next nine Test matches if they are looking to stay in contention to reach the WTC final. The visitors will have to stay on top of Sri Lanka throughout the series, and it could be interesting to see which side comes out on top after the two-game series.

India are set to begin a crucial chapter in their World Test Championship campaign as they prepare to face Sri Lanka in a two-match Test series, with the opening encounter scheduled to begin at the Galle International Stadium on August 15. The Shubman Gill-led side will be aiming to make a strong start to the tour, but injuries have already forced the team management into making changes to the squad.

Mehidy Hasan Miraz smacks unbeaten century vs CA XI ahead of Bangladesh's marquee series vs Australia

Bangladesh all-rounder Mehidy Hasan Miraz played a scintillating knock against Cricket Australia XI in Darwin ahead of the Test series. He smacked an unbeaten century to guide his side out of trouble on the opening day. Coming into the match after facing scrutiny over a lack of significant contributions and following the loss of the Bangladesh ODI captaincy last month, Mehidy anchored the innings with an unbeaten 109 from 141 deliveries. His knock included 11 boundaries and four sixes as Bangladesh recovered from a difficult position of 158 for 7 to finish on 263 in 75.5 overs. The lower order played their part in the recovery. Mehidy first added 30 runs with Hasan Mahmud before putting together a valuable 69-run partnership for the final wicket alongside Khaled Ahmed, who contributed 15 runs. On the other hand, Cricket Australia XI spinner Corey Rocchiccioli was the standout bowler, returning figures of 6 for 83 from 24 overs. The experienced all-rounder said his initial priority was understanding the surface rather than forcing the pace of the innings. The century also comes at an important stage of Bangladesh's preparations.

England pacer announces retirement at just 25 years, issues statement to confirm decision

England pacer John Turner has announced his retirement from professional cricket after a prolonged battle with a back injury. He represented the Three Lions in four white-ball internationals, claiming three wickets, during 2024, but hasn't featured in professional cricket since June 2025 because of a stress fracture in his back. The 25-year-old had previously held an England and Wales Cricket Board development contract until late last year and had signed a Hampshire deal running through the end of the 2027 season less than a year ago. However, injuries have sidelined him for the majority of the period. In the meantime, Turner has issued a statement, confirming his decision to retire. A loan spell with Lancashire followed in early 2025 before injury interrupted his progress.

India likely to field two separate teams for FIFA Asean Cup and friendly vs Brazil

The All India Football Federation (AIFF) has decided to send separate Indian squads for the inaugural FIFA ASEAN Cup and the international friendly against Brazil after both events were scheduled during overlapping dates. The decision was taken during the AIFF Executive Committee meeting on Thursday, August 6. India are scheduled to face Brazil in an international friendly in Kolkata on October 3, while the FIFA ASEAN Cup in Indonesia will run from September 24 to October 3. The AIFF said it would inform FIFA that India intends to participate in both events by splitting its player pool.

Notably, the newly introduced FIFA ASEAN Cup will be staged with the aim at improving the standard of football in Southeast Asia through competitive international fixtures. India, China and Hong Kong received invitations for the tournament, although China declined to participate. India have been placed in Group A of Division 1, where they will play Indonesia, Malaysia and Singapore during the group stage.

"One of the principal decisions taken during the meeting was to confirm India's participation in both -- the men's international friendly against five-time FIFA World Cup champions Brazil, scheduled to be played in Kolkata on October 3, 2026, and the FIFA ASEAN Cup in Indonesia from September 24 to October 3, 2026. The Executive Committee recognised the match against Brazil, to be played during the FIFA International Match Window," AIFF's statement read. "Accordingly, the AIFF will formally notify FIFA that India will participate in both competitions by fielding separate squads for the match against Brazil and the FIFA ASEAN Cup," it was further added.

Real Madrid sign Yan Diomande, the most expensive player in their club history

Real Madrid have completed the signing of teenage sensation Yan Diomande from RB Leipzig. The 19-year-old Ivory Coast forward joins the club after a standout season in the Bundesliga, where he scored 12 goals and registered eight assists for Leipzig. He further enhanced his reputation during the World Cup, playing a key role as Ivory Coast progressed to the round of 32. As per reports, Real Madrid will pay an initial fee of €125 million (Rs 13.73 billion) for Diomande. The agreement also includes €10 million in easily achievable bonuses and an additional €5 million in bonuses that are considered more difficult to reach. The deal had been close to completion last week, but discussions between Madrid and Leipzig over final details delayed the announcement. Diomande left Leipzig's pre-season camp on Thursday morning to complete his medical in Spain before the transfer was officially confirmed. The move instantly made him the most expensive player in Real Madrid, ahead of Jude Bellingham and Eden Hazard. The club have also brought in Marc Cucurella, Bernardo Silva, Ibrahima Konate, Denzel Dumfries and Carlos Espi during the current transfer window. Diomande becomes the latest addition to a major recruitment drive at Real Madrid this summer.

Barcelona enter race to sign Rodri; Yan Diomande to Real Madrid is imminent

After Real Madrid, Barcelona have now entered the race to sign Manchester City and Spanish midfielder Rodri. The FIFA World Cup Golden Ball winner has entered the final year of his contract and hence, the England club is also open to selling him before he walks away for free. Notably, the midfielder's situation has gained further attention following his recent injury problems. Rodri missed a large portion of the 2023-24 season after suffering a serious knee injury, while a hamstring issue affected parts of the following campaign. Despite those setbacks, he returned to top form during the summer World Cup, helping Spain win the tournament and eventually earning the player of the tournament award. Rodri had previously indicated that his future would be decided after the competition.

मेकअप के बाद ये गलतियां कर रहीं हैं आपकी स्किन खराब, जानिए चेहरे की चमक बचाने का सही तरीका

ऑफिस या किसी पार्टी में शामिल होना हो या किसी खास मौके पर तैयार होना हो, मेकअप से चेहरा ज्यादा निखरा हुआ नजर आता है लेकिन जितना जरूरी मेकअप करना है, उतना ही जरूरी उसे सही तरीके से हटाना भी है। कई लोग घंटों मेकअप लगाए रखते हैं और रात में थकान के कारण बिना हटाए ही सो जाते हैं। यही छोटी सी गलती धीरे-धीरे त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। त्वचा विशेषज्ञों के मुताबिक, मेकअप को सही तरीके से साफ न करना परेशानी पैदा कर सकता है। चेहरे पर लंबे समय तक मेकअप, धूल, प्रदूषण और पसीना जमा रहने से त्वचा के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। इससे मुंहासे, त्वचा का रूखापन, जलन, लालिमा और बेजान त्वचा जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए मेकअप के बाद एक सही स्किन केयर रूटीन अपनाना बेहद जरूरी है। मेकअप हटाने की शुरुआत सही क्लींजिंग से होनी चाहिए। खासतौर पर वाटरप्रूफ मस्कारा, लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक और फुल कवरेज फाउंडेशन को केवल फेसवॉश से हटाना काफी नहीं होता। ऐसे प्रोडक्ट्स को हटाने के लिए मेकअप रिमूवर या ऑयल बेस्ड क्लेंजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। चेहरे को जोर-जोर से रगड़ने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा पर खिंचाव और जलन हो सकती है। आंखों के मेकअप को हटाते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। कॉटन पैड पर मेकअप रिमूवर लगाकर कुछ सेकंड आंखों पर रखें और फिर हल्के हाथों से साफ करें। इससे आई मेकअप आसानी से निकल जाता है और आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा को नुकसान भी नहीं पहुंचता। मेकअप हटाने के बाद डबल क्लींजिंग त्वचा को ज्यादा अच्छी तरह साफ करने में मदद करती है। इसमें पहले ऑयल बेस्ड क्लींजर से मेकअप और गंदगी हटाई जाती है।

रोज रात को हल्दी वाला दूध पीने से क्या होता है? डॉक्टर ने बताया सेवन का सही तरीका और फायदे

हल्दी वाले दूध का सेवन लोग सदियों से करते आ रहे हैं। आयुर्वेद में भी इसे गोल्डन मिल्क कहा गया है। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर ने अपने यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर बताया है कि रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने से कौन से फायदे हो सकते हैं, कौन से दूध का इस्तेमाल करना चाहिए, इसे पीने का सही तरीका क्या है और किन लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए? हल्दी वाले दूध में एंटी इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टीज हैं यानी यह आपके शरीर में मौजूद सूजन को कम करने में कारगर है। सूजन कम होना हार्ट के लिए फायदेमंद है। साथ ही यह बैड कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में मददगार है। साथ ही इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करते हैं और त्वचा व पाचन में सुधार करते हैं। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन ऑक्सीडेटिव स्टेस को कम करता है और बॉडी सेल्स को डैमेज होने से बचाता है। हल्दी वाले दूध में आप काली मिर्च, दालचीनी और अदरक भी डाल सकते हैं। इससे इसे पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। इसका सेवन करने के लिए आप स्कीमिड मिल्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप प्लांट बेस्ड मिल्क का भी सेवन कर सकते हैं। हल्दी का इस्तेमाल आप आधे चम्मच से ज्यादा न करें। अगर आप हार्ट के मरीज हैं तो लो फैट दूध का ही इस्तेमाल करें। इस बात का ध्यान रखें हल्दी वाला दूध आपकी सेहत के लिए तभी फायदेमंद है जब आप बैलेंस्ड डाइट और एक्सरसाइज भी फॉलो करें। साथ ही अपनी डाइट में फल और सब्जियों को भी शामिल करें। अगर आपको गैस ज्यादा बनती है तब इसक सेवन करने से बचें। अगर आप खून पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं तो इसका सेवन न करें। अगर आप गॉल ब्लैडर के मरीज हैं तब भी हल्दी वाले दूध का सेवन न करे। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन पित्त के उत्पादन और गॉल ब्लैडर के संकुचन को बढ़ाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हल्दी वाला दूध रात में सोने से लगभग 30 से 60 मिनट पहले पीना अधिक लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर को आराम मिलता है और बेहतर नींद आने में भी मदद मिल सकती है। हालांकि, इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि किसी भी चीज का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

वजन घटाने के लिए असरदार किचन में रखे इस मसाले का पानी

खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट प्लान को फॉलो करने की वजह से अक्सर लोग मोटापे का शिकार बन जाते हैं। अगर समय रहते मोटापे की समस्या को दूर न किया जाए, तो आप कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

क्या आपकी भी वजन घटाने की तमाम कोशिशें फेल हो गई हैं, तो आपको इस नेचुरल ड्रिंक को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाकर देखना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दालचीनी का पानी आपकी वेट लॉस जर्नी को काफी हद तक आसान बना सकता है। अगर आप एक्सरसाइज के साथ-साथ हर रोज दालचीनी का पानी पीकर अपने दिन की शुरुआत करते हैं, तो आपको मोटापे की समस्या से काफी हद तक छुटकारा मिल सकता है।

दालचीनी का पानी आपकी भूख को कंट्रोल कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है। इसके अलावा दालचीनी का पानी पीकर आप अपने मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट कर सकते हैं।

किचन में रखे इस मसाले की मदद से नेचुरल ड्रिंक बनाना बेहद आसान है।

सबसे पहले एक पैन में एक-दो कप पानी डालकर इसे हल्का गर्म कर लीजिए। अब पानी में एक स्पून दालचीनी पाउडर मिलाकर इसे लगभग 2 मिनट तक बॉइल कीजिए।

बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप इस ड्रिंक में एक स्पून शहद, एक स्पून काली मिर्च पाउडर और थोड़ा सा नींबू का रस भी मिला सकते हैं। आप इस नेचुरल ड्रिंक को एक कप में छानकर पी सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दालचीनी में विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट, जिंक, प्रोटीन, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे पौष्टिक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

दिल्ली में बढे डेंगू और स्वाइन फ्लू के मामले, डॉक्टर से जानें शरीर में दिखते हैं कौन से हैं लक्षण और कैसे करें अपना बचाव?

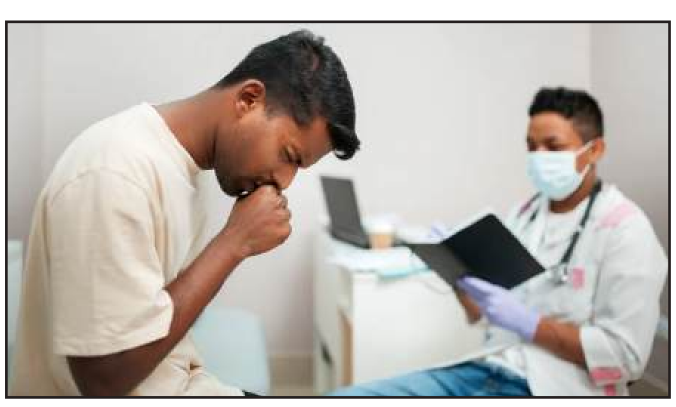

मानसून के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया और स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी होने लगती है। बारिश के बाद जगह-जगह जमा पानी मच्छरों के पनपने के लिए वातावरण बनाता है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही मे सामने आए आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अब तक डेंगू के 1179 मामले सामने आए है। 210 मरीज दिल्ली से बाहर के है। दिल्ली के अस्पतालों में कुल 1389 डेंगू के मरीज है वहीं स्वाइन फ्लू के अब तक 1344 मामले सामने आए है। हालांकि, राहत की बात यह है कि दोनों ही मामलों में अब तक कोई मौत दर्ज नहीं हुई है। लेकिन बढ़ती संख्या को देखते हुए सतर्कता कम नहीं की जानी चाहिए। मैक्स हॉस्पिटल में कंसल्टेंट मेडिसिन, डॉ. प्रतीक कादियान, बता रहे हैं कि डेंगू और स्वाइन फ्लू के लक्षण कौन से होते हैं और बचाव के लिए क्या करना चाहिए? बता दें, डेंगू और स्वाइनफ्लू दोनों वायरल संक्रमण हैं, लेकिन इनके फैलने का तरीका अलग है। डेंगू संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जबकि H1N1 संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या उसके निकट संपर्क में आने से फैल सकता है। बरसात, नमी, जगह-जगह जमा पानी और घरों के आसपास मच्छरों के प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियां डेंगू के मामलों को बढ़ा सकती हैं। दूसरी ओर, भीड़भाड़ वाले बंद स्थानों और संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से फ्लू तेजी से फैल सकता है। तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, बदन दर्द, उल्टी या त्वचा पर चकत्ते डेंगू के लक्षण हो सकते हैं। बुखार उतरने के बाद पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, नाक या मसूड़ों से खून, अत्यधिक कमजोरी, बेचैनी या सांस तेज चलना गंभीर डेंगू के चेतावनी संकेत हैं। ऐसे लक्षणों में तुरंत अस्पताल जाना चाहिए। डेंगू में खुद से एस्पिरिन, आइबुप्रोफेन या अन्य दर्द निवारक दवाएं नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि इनसे रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है। डॉक्टर की सलाह से पैरासिटामोल और पर्याप्त तरल पदार्थ लेना अधिक सुरक्षित रहता है। स्वाइन फ्लू में बुखार, खांसी, गले में दर्द, नाक बहना, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी हो सकती है। सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, ऑक्सीजन का स्तर गिरना, अत्यधिक सुस्ती या लक्षणों का अचानक बिगड़ना गंभीर संकेत हैं। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों तथा अस्थमा, मधुमेह, हृदय, फेफड़े या कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

काले चने खाने का सबसे सही तरीका, फौलादी बन जाएगा शरीर, दूर भागने लगेंगी ये बीमारियां

काला चना आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्यून कर सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक हर रोज मुट्ठी भर काला चना खाकर आप कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। काले चने में प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, मिनरल, आयरन आपकी सेहत को दमदार बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप सही मात्रा में सही तरीके से काले चने को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो आपकी सेहत को एक से बढ़कर एक कमाल के फायदे मिल सकते हैं। भीगे हुए काले चने खाना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। रात में काले चने को पानी में भिगोकर छोड़ दीजिए और फिर अगली सुबह इन्हें खा लीजिए। सुबह-सुबह भीगे हुए काले चने से अपने दिन की शुरुआत करने की आदत, आपके शरीर को फौलादी बना सकती है। भीगे हुए काले चने खाकर आप पूरे दिन एनर्जेटिक फील कर पाएंगे। अगर आपके शरीर में खून की कमी पैदा हो गई है, तो भीगे हुए काले चने खाना शुरू कर दीजिए। इसके अलावा भीगे हुए चने आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कब्ज और अपच की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप काले चने को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। भीगे हुए काले चने दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकते हैं। अगर आप अपने बढ़ते हुए वेट पर काबू पाना चाहते हैं, तो आपको भीगे हुए काले चने खाकर अपने दिन की शुरुआत करनी चाहिए। काले चने में पाए जाने वाले तत्व आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं।

इंसुलिन रेजिस्टेंस से बढ़ता है ब्लड शुगर, डायबिटीज के हो सकते हैं शिकार

इन दिनों देश दुनिया में ज्यादातर लोग डायबिटीज की बीमारी से जूझ रहे हैं। यह लाइफ स्टाइल से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है जो अंदर ही अंदर हमारे शरीर को खोखला कर देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शरीर ने डायबिटीज की शुरुआत कैसे होती है तो हम आपको बता दें जब हमारे पैंक्रियाज में इंसुलिन ढंग से नहीं बना पाते हैं, तो ब्लड शुगर बढ़ने लगता है। दरअसल, इंसुलिन हमारे ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखने का काम करते हैं। ये जरा भी कम ज्यादा हुए तो ब्लड शुगर बढ़ने लगता है इसलिए शरीर में इनका सही मात्रा में बनना जरूरी है। हार्मोन कोच पूर्णिमा पेरी ने अपने एक इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए यह बताया है कि इसे कंट्रोल करने के लिए आप अपनी डाइट में इन कुछ चीजों का सेवन करते हैं तो फायदा हो सकता है। चलिए, जानते हैं किन चीजों के सेवन से इंसुलिन रेजिस्टेंस होगा कंट्रोल। इंसुलिन हमारे खाने से मिलने वाली शुगर को हमारी कोशिकाओं तक पहुंचाने का काम करता है, ताकि हमारी कोशिकाएं इस शुगर का इस्तेमाल ऊर्जा के रूप में कर सकें। लेकिन जब कोशिकाएं इंसुलिन को पहचान नहीं पातीं, तो शुगर खून में ही घूमती रहती है और कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाती। इसे दूर करने के लिए, शरीर को ज्यादा इंसुलिन बनाना पड़ता है।

क्या वाकई चावल के मांड में UTI ठीक करने की ताकत है, आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानिए इसकी सच्चाई

चावल का मांड यानी चावल का पानी आसानी से मिल जाता है। जब भी घर में चावल बनें आप उसका पानी निकाल लें। ये मांड कई कामों में आता है। कुछ लोगों का मनना है कि चावल के मांड से यूरिन इंफेक्शन ठीक हो जाता है। लेकिन क्या वाकई चावल के पानी या चावल के मांड से यूटीआई ठीक होता है। आइये आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा (आशा आयुर्वेद) से जानते हैं इसमें कितनी सच्चाई है। चावल का मांड कैसे इस्तेमाल किया जाना चाहिए और इसके फायदे क्या हैं?

बैक्टीरिया को बाहर निकाले- चावल के मांड में पाए जाने वाले गुण शरीर से बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद करते हैं, खासतौर से जो यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का कारण बनते हैं।

शरीर को ठंडा बनाए- चावल का पीना या चावल का मांड शरीर को अंदर से ठंडा रखता है। इसलिए गर्मियों में इसका सेवन अच्छा माना जाता है। गर्मियों में इससे यूरिनरी इन्फेक्शन का खतरा कम हो जाता है।

जलन में राहत- चावल के मांड में विटामिन B, C और E काफी मात्रा में होते हैं, जो पेशाब करते समय होने वाली जलन और दर्द से राहत दिलाते हैं। इससे पेशाब के रास्ते होने वाले संक्रमण को भी दूर किया जा सकता है।

कुछ लोग इसे काला नमक और नींबू मिलाकर पीने की सलाह देते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने और यूरिक एसिड के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। चावल का मांड शरीर को ठंडा रखने में भी मदद करता है। गर्मी में इसका सेवन करना फायदेमंद होता है।

सुबह खाली कच्चा लहसुन खाने से सेहत को मिलेंगे कई ज़बरदस्त फायदे

लहसुन सिर्फ़ वह मसाला नहीं है जो खाने में स्वाद को बढ़ाता है. इसके सेवन से कई बीमारियां भी दूर होती हैं. अगर आप खाली पेट लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को कई फायदे होंगे। कच्चा लहसुन कोलेस्ट्रॉल, रक्तचाप को कम करने से लेकर पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बेहद फायदेमंद है।

कच्चे लहसुन में एलिसिन नामक एंजाइम होता है जिसमें एंटी इन्फ्लामेट्री और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लहसुन की एक कली में 4 कैलोरी और 1 ग्राम से कम लहसुन में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट पाया जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी, ए और बी, के साथ मैग्नीशियम, कैल्शियम, जिंक, सेलेनियम पाया जाता है। तो चलिए जानते हैं सुबह के समय कच्चा लहसुन खाने से क्या फायदा होता है और इसका सेवन कैसे करना चाहिए?

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए: लहसुन का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें मौजूद एलिसिन की प्रचुर मात्रा सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ाता है।सुबह लहसुन का सेवन करने से आप अपनी इम्यूनिटी को प्राकृतिक रूप से मजबूत बनाते हैं जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

पेट की समस्या और मोटापे से छुटकारा दिलाएगा नावासन

आज की आधुनिक और व्यस्त जीवनशैली में पेट संबंधित शारीरिक और मानसिक समस्या होना आम हो गया है। ऐसी स्थिति में नावासन उन आसनों में से एक है, जो पेट और शरीर के संतुलन दोनों के लिए फायदेमंद माना जाता है। नावासन, नौकासन भी कहा जाता है। यह दो शब्दों से मिलकर बना है, 'नावा' का अर्थ है 'बोट' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। इस आसन को करते समय शरीर का आकार नाव जैसा बन जाता है, इसलिए इसे नावासन कहा जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, नौकासन एक प्रभावी योगासन है, जो शरीर को मजबूत और संतुलित बनाने में मदद करता है। इसे करते समय पेट, पीठ और जांघों की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है। यही नहीं, रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में भी यह सहायक होता है। यह आसन न सिर्फ शारीरिक ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। नावासन एब्स बनाने के लिए प्रभावी माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से एब्स बहुत मजबूत होते हैं। नौकासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधे लेट जाएं और अपने दोनों पैरों को आपस में जोड़ लें। हाथों को शरीर के बगल में सीधा रखें। साथ ही, हाथों को आगे की तरफ खींचें ताकि वे पैरों की ओर बढ़ें।

थमने का नाम नहीं ले रहा है स्ट्रेस, तो तनाव दूर करने के लिए अपना लीजिए ये असरदार उपाय

कुछ लोगों को बात-बात पर स्ट्रेस लेने की आदत होती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर स्ट्रेस को समय रहते कंट्रोल न किया जाए, तो आगे चलकर एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। यही वजह है कि आपको भी तनाव को मैनेज करना सीख लेना चाहिए। अगर आप स्ट्रेस की समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको मेडिटेशन को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए। इसके अलावा कुछ टिप्स को फॉलो कर आपको स्ट्रेस से इंस्टैंट रिलीफ मिल सकता है। अगर आपको बहुत ज्यादा स्ट्रेस महसूस हो रहा है तो आपको गहरी-गहरी सांस लेना शुरू कर देना चाहिए। अपना सारा ध्यान अपनी परेशानी से हटाकर अपनी सांसों पर केंद्रित करें। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी तनाव को दूर करने के लिए ब्रीदिंग तकनीक की मदद लेने की सलाह देते हैं। श्वास व्यायाम की प्रैक्टिस करने के बाद आप खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस कर पाएंगे। जिन लोगों को छोटी-छोटी बातों पर स्ट्रेस होता है, उन्हें हर रोज कोई न कोई फिजिकल एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। फिजिकल एक्टिविटी आपके तनाव को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है। आप जिम में जाकर एक्सरसाइज कर सकते हैं या फिर घर पर योग कर सकते हैं या फिर बाहर जाकर किसी भी स्पोर्ट में पार्टिसिपेट कर सकते हैं। इस तरह की एक्टिविटीज स्ट्रेस की समस्या से छुटकारा दिलाने में काफी ज्यादा मददगार साबित हो सकती हैं। जब भी आपको स्ट्रेस महसूस हो, उस समय अकेले रहने से बचने की कोशिश कीजिए। स्टडी के मुताबिक अकेले रहने से आपका स्ट्रेस बढ़ सकता है क्योंकि अकेलेपन की वजह से आप ओवरथिंकिंग कर सकते हैं। इसलिए स्ट्रेस से छुटकारा पाने के लिए किसी न किसी से अपने दिल की बात कहना बेहद जरूरी है फिर चाहे वो परिवार का कोई सदस्य हो या फिर आपको कोई खास दोस्त। तनाव को कम करने के लिए पर्याप्त नींद लेना भी बेहद जरूरी है। यदि आप रोजाना 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद नहीं लेते हैं, तो शरीर में तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है। अच्छी नींद न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि एकाग्रता, ऊर्जा और निर्णय लेने की क्षमता में भी सुधार करती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि तनाव के दौरान खानपान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। अधिक कैफीन, जंक फूड और अत्यधिक मीठी चीजों का सेवन तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ा सकता है। इसके बजाय ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, मेवे और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन शरीर और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यदि आप लंबे समय तक लगातार तनाव महसूस कर रहे हैं, तो अपने दिन की योजना बनाना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे मानसिक दबाव कम होता है और काम करने की क्षमता बेहतर बनी रहती है।

भारत ने किया अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दी बधाई

चांदीपुर (बालासोर)। भारत ने गुरुवार को 'अग्नि-4' मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ये परीक्षण स्ट्रेटेजिक कमांड फोर्स (SFC) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी DRDO ने साथ मिलकर ओडिशा के चांदीपुर में स्थित इंटिग्रेटेड टेस्ट रेंज से किया है। आपको बता दें कि अग्नि-4 मिसाइल भारत की सबसे घातक बैलिस्टिक मिसाइलों में से एक है और परमाणु हथियारों को भी ले जाने में सक्षम है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सोशल मीडिया पर इस मिसाइल परीक्षण की जानकारी दी है और SFC व DRDO को इसके लिए बधाई भी दी है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार, गुरुवार 6 अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटिग्रेटेड टेस्ट रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का सफल परीक्षण किया गया है। मिसाइल का परीक्षण सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि इस प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ। यह परीक्षण स्ट्रेटेजिक कमांड फोर्स की देखरेख में संपन्न हुआ। अग्नि-4 मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी बधाई दी है। राजनाथ सिंह ने कहा- "स्ट्रेटेजिक फोर्सेस कमांड (SFC) और DRDO ने 6 अगस्त 2026 को ओडिशा के इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से MRBM अग्नि-4 का सफल परीक्षण किया है।

मैं SFC और DRDO को इस बेहतरीन मिशन लॉन्च के लिए बधाई देता हूं। इस मिसाइल परीक्षण ने अत्याधुनिक तकनीकों से देश की रक्षा करने के भारत के संकल्प को फिर से साबित किया है।" आपको बता दें कि इससे पहले मई महीने में भारत ने MIRV टेक्नोलॉजी से लैस एडवांस अग्नि मिसाइल का सफल टेस्ट किया था।

भारत की अग्नि-4 मिसाइल परमाणु हथियारों को भी ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल का सफल परीक्षण भारत की सैन्य क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतीक है। अग्नि-4 मिसाइल एक मध्यम-दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है और इसकी मारक क्षमता करीब 4,000 किलोमीटर की बताई जाती है। अग्नि-4 मिसाइल को चीन के खिलाफ भारत की प्रतिरोधक क्षमता के तौर पर देखा जाता है। दुनिया के कुछ ही देश ऐसे हैं जिनके पास भारत की इस मिसाइल जैसी कोई ताकत मौजूद है।

अग्नि-4 मिसाइल का यह सफल परीक्षण भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस मिसाइल की लंबी मारक क्षमता, उच्च सटीकता और परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता इसे भारत की रणनीतिक मिसाइल प्रणाली का अहम हिस्सा बनाती है।

इसका उद्देश्य देश की विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता (Credible Deterrence) को और सुदृढ़ करना है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित उड़ान पथ का सफलतापूर्वक पालन किया और सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर मिसाइल के प्रदर्शन और तकनीकी मानकों का सफल सत्यापन किया

FCRA संशोधन बिल 2026 पर क्यों मचा बवाल? चर्च और ईसाई संगठनों ने क्यों किया विरोध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अगले सप्ताह लोकसभा में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 (FCRA Amendment Bill 2026) पेश कर सकती है। इस बीच देश के कई चर्च और ईसाई संगठन इस प्रस्तावित कानून का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह बिल उनके संस्थानों को निशाना बनाता है और उनके अधिकारों पर असर डाल सकता है। वहीं केंद्र सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य विदेशी फंडिंग को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना है। ईसाई संगठनों की सबसे बड़ी चिंता बिल के उस प्रावधान को लेकर है, जिसमें सरकार को एक 'डिजिग्नेटेड अथॉरिटी' या नामित प्राधिकरण नियुक्त करने का अधिकार दिया जाएगा। अगर किसी संस्था का FCRA लाइसेंस रद्द हो जाता है, वह स्वयं लाइसेंस छोड़ देती है या उसका नवीनीकरण नहीं होता, तो यह प्राधिकरण उस संस्था के प्रबंधन और विदेशी फंड से बनाई गई संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकेगा। देश में कई ईसाई संस्थाएं स्कूल, अस्पताल, अनाथालय और सामुदायिक केंद्र चलाती हैं।

'डॉक्टर-डायग्नोस्टिक सेंटर के बीच कट मनी का खेल बंद हो', राज्यसभा में राघव चड्ढा ने उठाया अहम मुद्दा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को संसद में डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच 'रेफरल कमीशन' और 'कट मनी' की व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ डॉक्टर और डायग्नोस्टिक सेंटर मरीजों के इलाज के बजाय रेफरल के आधार पर काम कर रहे हैं, जिसका सीधा असर मरीजों के मेडिकल खर्च पर पड़ता है। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भी इस मुद्दे को उठाते हुए लिखा कि संसद में उन्होंने डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच चल रहे 'कट मनी' सिस्टम पर बात की।

बता दें कि इससे पहले चड्ढा ने एंटी पेपर लीक कानून पर भी जोरदार भाषण दिया था। राघव चड्ढा के मुताबिक, डायग्नोस्टिक सेंटर 'कट मनी' को 'मार्केटिंग एक्सपेंस' कहते हैं, जबकि डॉक्टर इसे 'रेफरल कमीशन' बताते हैं। उन्होंने दावा किया कि आखिरकार यह पूरा खर्च मरीज के अस्पताल के बिल में जुड़ जाता है। उन्होंने लोगों से मेडिकल टेस्ट कराने से पहले इस व्यवस्था को समझने की अपील भी की। राज्यसभा में बोलते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि कुछ डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के बीच रेफरल इंसेंटिव का एक अनौपचारिक नेटवर्क बन गया है। उनका आरोप था कि कई मामलों में मरीज के इलाज से ज्यादा महत्व इस बात को दिया जाता है कि उसे किस डॉक्टर ने किस लैब या डायग्नोस्टिक सेंटर में भेजा है। बीजेपी सांसद ने दावा किया कि कई जगह डॉक्टरों को हर रेफरल पर तय कमीशन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए अलग एजेंट भी काम करते हैं और यह पूरी तरह एक समानांतर इंसेंटिव इकोनॉमी का रूप ले चुका है। चड्ढा ने कहा कि डॉक्टर इसे रेफरल कमीशन कहते हैं, जबकि डायग्नोस्टिक सेंटर अपने खातों में इसे मार्केटिंग खर्च के रूप में दिखाते हैं। इसके अलावा रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स रेगुलेशन, 2023 में भी रेफरल कमीशन को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया है।

दही हांडी उत्सव से पहले महाराष्ट्र सरकार की बड़ी सौगात, 1.60 लाख गोविंदाओं को मिलेगा 10 लाख तक का बीमा

दही हांडी उत्सव से पहले महाराष्ट्र सरकार ने गोविंदाओं के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार करीब 1.60 लाख गोविंदाओं को 10 लाख रुपये तक का बीमा कवर देगी, ताकि हादसे की स्थिति में उन्हें आर्थिक मदद मिल सके। सरकारी आदेश के मुताबिक, अगर किसी गोविंदा की दुर्घटना में मौत हो जाती है या उसके दोनों हाथ-पैर या दोनों आंखों को नुकसान पहुंचता है, तो 10 लाख रुपये का बीमा मिलेगा। बता दें कि पिछले साल राज्य सरकार ने दही हांडी उत्सव में भाग लेने वाले 1.5 लाख गोविंदाओं के लिए बीमा कवर की घोषणा की थी। अगर दुर्घटना में एक हाथ, एक पैर या एक आंख को नुकसान होता है, तो 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं, स्थायी पूर्ण विकलांगता होने पर 10 लाख रुपये और स्थायी आंशिक विकलांगता की स्थिति में बीमा पॉलिसी के नियमों के अनुसार मुआवजा मिलेगा। इसके अलावा, अगर किसी गोविंदा को हादसे के बाद अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराना पड़ता है, तो इलाज का वास्तविक खर्च या अधिकतम 1 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस योजना का लाभ केवल 'महाराष्ट्र राज्य गोविंदा एसोसिएशन' द्वारा सत्यापित और प्रशिक्षित गोविंदाओं को मिलेगा। इसके लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा।

PM मोदी का आया इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का फोन, क्या हुई बात?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज (गुरुवार को) इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन कॉल आया। PMO ने इसकी जानकारी दी है। दोनों नेताओं ने इस फोन कॉल के दौरान भारत-इजरायल स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में हो रही लगातार प्रगति की समीक्षा की और भारत-इजरायल के आपसी फायदे के लिए अलग-अलग सेक्टर्स में आपसी सहयोग को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। बता दें कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और PM मोदी ने वेस्ट एशिया में हाल की घटनाओं पर भी बातचीत की। इस दौरान, दोनों नेताओं ने रीजनल सिक्योरिटी, स्थिरता और शांति से जुड़े मसलों पर अपने-अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, PM मोदी और इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू इस बात पर भी सहमत हुए कि लगातार बदलते क्षेत्रीय हालात के बीच भारत-इजरायल के बीच नियमित रूप से संवाद और समन्वय बनाए रखना काफी अहम है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत के दौरान भारत की उस पॉलिसी को भी दोहराया, जिसमें डायलॉग, डिप्लोमेसी और शांतिपूर्ण तरीके से समाधान से क्षेत्र में तनाव को कम करने पर जोर दिया जाता है। दोनों नेता इस पर सहमत हुए कि भविष्य में भी इजरायल और भारत के बीच उच्चस्तरीय संपर्क जारी रहेगा, ताकि दोनों देशों के संबंधों को और नई तेजी दी जा सके व साझा हितों वाले मुद्दों पर करीबी सहयोग भी बना रहे। माना जा रहा है कि इजरायली प्रधानमंत्री और PM मोदी के बीच डिफेंस, एग्रीकल्चर, वाटर मैनेजमेंट, इनोवेशन, साइबर सिक्योरिटी हाई-टेक, स्टार्टअप और ट्रेड जैसे सेक्टर्स में चल रहे कोऑपरेशन पर भी चर्चा हुई है। इजरायल और भारत पिछले कुछ साल से इन क्षेत्रों में अपनी पार्टनरशिप को लगातार मजबूत करने में लगे हुए हैं। दोनों देश, भविष्य में भी नई संभावनाओं पर मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गौरतलब है कि इसी साल फरवरी महीने में PM मोदी, इजरायल गए थे। तब इजरायली संसद में संबोधन करते हुए PM मोदी ने कहा था कि भारत-इजरायल की दोस्ती विश्व के लिए जरूरी है। भारत में बिना किसी जुल्म या भेदभाव के डर के यहूदी समुदाय के लोग रहते आए हैं।

7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में शामिल हुए CM मोहन यादव, बताई MP की उपलब्धियां, दिल्ली मेट्रो से किया सफर

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि मध्य प्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। दिल्ली मेट्रो अपने संचालन में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में मेट्रो से यात्रा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट GW गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में निवेश-अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से मध्य प्रदेश देश के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। विभाग प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए कार्यरत है।

छठ से पहले दिल्ली सरकार का पूर्वांचल वासियों को बड़ा तोहफा, बिहार के 6 शहरों के लिए शुरू होगी नई बस सेवा

छठ महापर्व से पहले दिल्ली सरकार का पूर्वांचल और बिहार के वासियों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार छठ महापर्व से पहले बिहार और पूर्वांचल के लाखों लोगों को तोहफा देने जा रही है। दिल्ली और बिहार सरकार जल्द ही एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करने जा रही हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बिहार के छह प्रमुख शहरों- पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर के लिए विशेष अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू की जाएगी। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह के मुताबिक, सितंबर महीने में बिहार सरकार के परिवहन विभाग के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद दिवाली के तुरंत बाद और छठ महापर्व से पहले ये बस सेवा शुरू कर दी जाएगी, ताकि त्योहार के दौरान बिहार जाने वाले लाखों यात्रियों को राहत मिल सके। योजना के पहले चरण में करीब 70 EV बसें चलाई जाएंगी। ये बसें दिल्ली से बिहार के छह प्रमुख शहरों- पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर के बीच नियमित रूप से संचालित होंगी। मंत्री के अनुसार यह सेवा केवल छठ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सालभर प्रतिदिन संचालित होगी।भविष्य में यात्रियों की संख्या को देखते हुए बसों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह का कहना है कि अभी दिल्ली से बिहार जाने वाले अधिकांश लोगों को ट्रेन या निजी बस ऑपरेटरों पर निर्भर रहना पड़ता है। त्योहारों के दौरान निजी बस ऑपरेटर यात्रियों से कई गुना अधिक किराया वसूलते हैं, जिससे लोगों को मजबूरी में महंगा सफर करना पड़ता है। सरकारी बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को उचित किराए पर सुरक्षित और आरामदायक यात्रा मिलेगी, वहीं निजी बस ऑपरेटरों की मनमानी पर भी अंकुश लगेगा। बता दें कि दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार एक के बाद एक कई बड़े फैसले ले रही है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने 'लक्ष्मी योजना' को मंजूरी दी थी जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये मिलेंगे। सरकार का मानना है कि इस योजना से एक ओर यात्रियों को फायदा होगा तो दूसरी ओर दिल्ली सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। इस बस सेवा के संचालन के लिए आनंद विहार में 13.5 मीटर चौड़ा अत्याधुनिक बस टर्मिनल विकसित किया जा रहा है, जो इन सभी रूटों का प्रमुख हब होगा। दिल्ली से बिहार के इन शहरों तक बस यात्रा में करीब 16 घंटे का समय लगेगा। परिवहन मंत्री के मुताबिक इन रूटों पर सेमी-स्लीपर डीलक्स बसें चलाई जाएंगी, जो एसी और नॉन-एसी दोनों श्रेणियों में उपलब्ध होंगी। इस पहल का उद्देश्य दिल्ली और बिहार के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करना, प्रवासी श्रमिकों और पूर्वांचल के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा त्योहारों के दौरान यात्रा को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और किफायती बनाना है। दिल्ली सरकार के इस प्रस्तावित कदम को बिहार और पूर्वांचल के लाखों प्रवासी लोगों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

ई-मित्र की आड़ में 40 करोड़ का साइबर खेल! 18 महीने में खड़ा किया फ्रॉड का साम्राज्य

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मुकुंदगढ़ में साइबर ठगी का ऐसा सनसनीखेज खुलासा हुआ है, जिसने हर ई-मित्र संचालक और आम लोगों को सतर्क कर दिया है। पुलिस ने एक ऐसे शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने महज 18 महीनों में करीब 40 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड का नेटवर्क खड़ा कर दिया। आरोपी ई-मित्र और सीएसपी (Customer Service Point) की आड़ में लोगों के दस्तावेज और बायोमेट्रिक का दुरुपयोग कर साइबर अपराधियों के लिए रकम ट्रांसफर करने का काम करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.68 लाख रुपये नकद, 2 लैपटॉप, 1 मोबाइल, 17 एटीएम कार्ड, 92 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, 38 आधार कार्ड और एक माइक्रो एटीएम बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर (IPS) के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत, सीओ सुगन सिंह, साइबर थाना प्रभारी रामखिलाड़ी मीणा के सुपरविजन तथा मुकुंदगढ़ थानाधिकारी गोपाल सिंह थालोर और साइबर थाना प्रभारी गोपाल लाल जांगिड़ के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। मामले का खुलासा तब हुआ जब मुकुंदगढ़ निवासी अक्षय ने 4 अगस्त 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई। बाद में सर्वर नहीं चलने का बहाना बनाकर उसे वापस भेज दिया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415